■ मार्गशीर्ष कृष्णा - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 134 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 09-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 दिसंबर के अंत तक तैयार होगा अयोध्या हवाई अड्डा : ज्योतिरादित्य सिंधिया
6 भाजपा के निशाने पर अब लोकसभा चुनाव
7 मैं कानून और संविधान का सेवक हूं : चंद्रचूड़

फर्स्ट टेक

बारामूला स्टेडियम का नाम 'जनरल रावत स्टेडियम' रखा जाएगा

श्रीनगर/वार्ता। जम्मू-कश्मीर सरकार ने शुक्रवार को बारामूला में झेलम स्टेडियम जांबाजपोरा का नाम बदलकर दिवंगत पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम पर रखने की मंजूरी प्रदान की है। एक सरकारी आदेश के अनुसार, बारामूला के जांबाजपोरा स्थित झेलम स्टेडियम का नाम बदलकर जनरल बिपिन रावत स्टेडियम करने की मंजूरी प्रदान की जाती है। देश के पहले सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी मधुलिका रावत और 11 अन्य लोगों को लेकर जा रही हेलीकॉप्टर आठ दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु के कुन्नूर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिससे उनकी मौत हो गई। कश्मीर में जनरल रावत का पिछला कार्यकाल बारामूला स्थित 19 इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का था। इस कार्यकाल के दौरान ही जनरल रावत बारामूला शहर में कई लोगों के चहेते बन गए थे। उन्होंने 2012 में 19 इन्फैंट्री डिवीजन की कमान संभाली थी।

गुजरात के कच्छ में 4.2 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले के रापर कस्बे के पास शुक्रवार सुबह 4.2 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है। भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान के एक अधिकारी ने कहा, ''कच्छ जिले के रापर से 19 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में सुबह करीब नौ बजे भूकंप आया जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 तीव्रता मापी गई।'' अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र पृथ्वी की सतह से 19.5 किलोमीटर गहराई में था। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का असर राजकोट में भी महसूस किया गया और किसी प्रकार के नुकसान की कोई जानकारी अभी तक नहीं मिली है।

दुबई में जब्त स्पाइसजेट के विमान को लौटाने का निर्देश

मुंबई/भाषा। घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट ने शुक्रवार को कहा कि एक मुकदमे में दुबई में इसी साल अक्टूबर में जब्त किए गए उसके एक विमान को अब दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र (डीआईएफसी) अदालत के आदेश पर मुक्त कर दिया गया है। स्पाइसजेट ने बयान में कहा, सात दिसंबर को डीआईएफसी अदालत की सुनवाई में स्पाइसजेट के पक्ष में आदेश दिया गया। एयरलाइन ने दावा किया, इसके अलावा, न्यायाधीश ने आदेश के परिणामस्वरूप स्पाइसजेट को हुए नुकसान की जांच का भी निर्देश दिया है। अदालत ने स्पाइसजेट द्वारा उठाए गए कानूनी खर्चों का भुगतान करने का भी आदेश दिया है।

09-12-2023	10-12-2023
सूर्यास्त 5:53 बजे	सूर्योदय 6:30 बजे

BSE	NSE
69,825.60	20,969.40
(+303.91)	(+68.25)

सोना	चांदी
6,565 रु.	79,730 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सत्ता के स्वार्थ

डाकू खुले घूमते मिलते,
ऐरन के चोरों को जेल।
बांट-चूंट कर खाते सब मिल,
खेल रहे वोटों का खेल।
हाथी हुए मतंग शक्ति से,
बकरी पर कस रहे नकेल।
सत्ताओं में स्वार्थ सिद्धि हित,
काम सभी होते बेमेल।।

जनता से लूटे गए पैसे की पाई-पाई लौटानी होगी, यह 'मोदी की गारंटी' है

■ झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से कथित तौर पर जुड़े एक कारोबारी समूह के विभिन्न ठिकानों से आयकर विभाग ने 200 करोड़ रुपये नकदी बरामद होने के संबंध में की प्रधानमंत्री ने की विपक्ष पर टिप्पणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि यह 'मोदी की गारंटी' है कि उन्हें लोगों से लूटा गया एक-एक पैसा लौटाना होगा।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की जिसमें दावा किया गया है कि झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से कथित तौर पर जुड़े एक कारोबारी समूह के विभिन्न ठिकानों से आयकर विभाग ने 200 करोड़ रुपये नकदी बरामद की है।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, ''देशवासी इन नोटों के ढेर को देखें और फिर इनके नेताओं के ईमानदारी के 'भाषणों' को सुनें... जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है।'' उन्होंने इस पोस्ट के साथ कई इमोजी भी लगाई।

खबर में नोटों से भरी कई अलमारियों की तस्वीर भी प्रदर्शित की गई हैं।

लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए विपक्षी दलों पर निशाना साधना तेज कर दिया है।

मोदी ने पिछले दिनों आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता की खुशफहमी में रह सकते हैं, लेकिन लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहना चाहिए क्योंकि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही थी। उस पोस्ट का शीर्षक था 'मेल्टडाउन-ए-आजम' और इसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आने के बाद हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय विभाजन को भड़काने और मतदाताओं का अपमान करने के लिए 'बहाने' और 'पारिस्थितिकी तंत्र' के कथित प्रयासों का हवाला दिया गया है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली है और इसे उसके लिए सांत्वना जैसा बताया जा रहा है।

अनुच्छेद 370 पर सोमवार को आएगा फैसला

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के केंद्र सरकार के अगस्त 2019 के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को अपना बहुप्रतीक्षित फैसला सुनाएगा। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की संविधान पीठ ने 16 दिनों तक संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पांच सितंबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शीर्ष अदालत ने दो अगस्त 2023 को याचिकाकर्ताओं की ओर से दलीलें सुननी शुरू की थीं। शीर्ष अदालत की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने याचिकाकर्ताओं, उत्तरदाताओं - केंद्र और अन्य - सभी की दलीलें सुनीं। केंद्र सरकार ने 5-6 अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद 370 में बदलाव किया था।

आयकर विभाग की शराब कंपनी के खिलाफ

तीन दिन से जारी छापेमारी में नकदी से भरे 156 बैग बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। आयकर विभाग ने ओडिशा स्थित शराब बनाने वाली एक कंपनी के खिलाफ कर चोरी के आरोप में शुक्रवार को तीसरे दिन भी छापे मारे और नकदी से भरे 156 बैग बरामद किए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन बैग से बरामद नकदी में से अब तक 20 करोड़ रुपये गिने जा चुके हैं। इसके साथ ही छापेमारी में अब तक 220 करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं।

विभाग के अधिकारियों ने शुक्रवार को बोलांगीर जिले के सुदापाड़ा में छापेमारी के दौरान नकदी से भरे 156 बैग बरामद किए। एक अधिकारी ने कहा, ''156 बैग में से केवल छह-सात की गिनती की गई, जिसमें 20 करोड़ रुपये की रकम पाई गई।''

विभाग ने संबलपुर, बोलांगीर, टिटिलागढ़, बौध, सुंदरगढ़, राउरकेला और भुवनेश्वर में छापेमारी की।

कंपनी ने अभी तक छापे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

लालदुहोमा ने मिजोरम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

आइजोल/भाषा। जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) के नेता लालदुहोमा ने शुक्रवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने लालदुहोमा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। जेडपीएम के 11 अन्य नेता भी मंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में आयोजित किया गया जहां मिजो नेशनल फ्रंट के नेता और निवर्तमान मुख्यमंत्री जोरमथांगा भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में एमएनएफ के विधायक दल के नेता लालचंदमा राल्ते समेत सभी विधायक शामिल हुए। पूर्व मुख्यमंत्री ललथनहवला भी इस अवसर पर मौजूद रहे। मंगलवार को जेडपीएम विधायक दल ने लालदुहोमा को अपना नेता और के. सपडांगा को उपनेता चुना था। मिजोरम में 40 सदस्यीय विधानसभा है और राज्य में मुख्यमंत्री समेत 12 मंत्री हो सकते हैं। जेडपीएम ने सात नवंबर को हुए राज्य विधानसभा चुनाव में 40 में से 27 सीटों पर जीत हासिल की है।

ब्याज दरों में कटौती की योजना नहीं, मुद्रास्फीति हमारी उच्च प्राथमिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि नीतिगत दरें कम करने की फिलहाल कोई योजना नहीं है क्योंकि केंद्रीय बैंक के लिए मुद्रास्फीति अभी भी उच्च प्राथमिकता बनी हुई है।

दास ने यहां आरबीआई मुख्यालय में मौद्रिक नीति की द्विमासिक समीक्षा के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि रेपो दर को लगातार पांचवीं बार स्थिर रखने की घोषणा करते समय उनके बयान में शामिल 'अत्यधिक सख्ती' का कुछ और मतलब नहीं समझा जाना चाहिए। दास ने कहा कि आरबीआई की रेपो दर में कटौती की फिलहाल कोई योजना नहीं है। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण केंद्रीय बैंक की शीर्ष वरीयता है। पिछले कुछ महीनों में मुद्रास्फीति के आंकड़े संतोषजनक रहे हैं। अक्टूबर में कुल मुद्रास्फीति दर गिरकर 4.87 प्रतिशत आ गई।

राजस्थान, मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के लिए भाजपा ने पर्यवेक्षक घोषित किये

नई दिल्ली/वार्ता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए पर्यवेक्षकों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने आज यहां जारी विज्ञप्ति में बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , राज्य सभा सांसद सरोज पांडेय और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े को राजस्थान, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ के लक्ष्मण और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव आशा लाकड़ा को मध्य प्रदेश तथा केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्वानंद सोनोवाल और पार्टी महासचिव दुष्यंत कुमार गौतम को छत्तीसगढ़ के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। ये पर्यवेक्षक अपने अपने नामित राज्यों में भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता का चुनाव कराएंगे जो राज्य का मुख्यमंत्री पद संभालेंगे।

उत्तरी राज्य 'गौमुद्रा' का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि 'गौमूत्र' का : सौंदरराजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने शुक्रवार को कहा कि उत्तरी राज्य 'गौमुद्रा' (गाय का पवित्र प्रतीक) का प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि 'गौमूत्र' का। उनकी यह टिप्पणी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के लोकसभा सदस्य के एक विवादास्पद बयान की पृष्ठभूमि में आई है।

लोकसभा में द्रमुक के सदस्य डी. एन. वी. सेंथिल कुमार ने मंगलवार को मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की हाल में विधानसभा चुनावों में हुई जीत के मद्देनजर हिंदी भाषी राज्यों का विवादास्पद संदर्भ देकर विवाद खड़ा कर दिया था। तमिलनाडु के सांसद ने लोकसभा में एक चर्चा में भाग लेते हुए यह विवादास्पद टिप्पणी की थी।

सौंदरराजन ने कुमार के बयान को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' करार दिया। उन्होंने कहा, ''मैं तमिलनाडु से हूं और मुझे यह कहना पड़ रहा है, क्योंकि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजकल कुछ लोगों द्वारा उत्तर-दक्षिण विभाजन का उल्लेख किया जा रहा है। मुझे वास्तव में बहुत बुरा लगा जब तमिलनाडु के ही एक संसद सदस्य ने दक्षिणी राज्यों को अलग करते हुये उत्तरी राज्यों को 'गौमूत्र' राज्यों के रूप में वर्णित किया।''

राज्यपाल यहां 'इंडिया थिंक काउंसिल' और गुजरात विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा, ''मुझे कहना होगा कि ये (उत्तरी राज्य) 'गौमुद्रा' राज्य हैं, 'गौमूत्र' नहीं। मैं ऐसा इसलिए कह रही हूं क्योंकि यह विभाजन नहीं होना चाहिए। सम्मान होना चाहिए।

काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में निर्णय सुरक्षित

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने काशी विश्वनाथ और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद को लेकर वाराणसी की अदालत में दायर वाद की पोषणीयता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शुक्रवार को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने संबद्ध पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। वाराणसी की अंजुमन इंतेजामिया कमेटी और यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने 1991 में वाराणसी की अदालत में दायर मूल वाद की पोषणीयता को चुनौती दी थी। इस वाद में उस स्थान पर प्राचीन मंदिर बहाल करने की मांग की गई है जहां वर्तमान में ज्ञानवापी मस्जिद मौजूद है। वाद में दलील दी गई है कि वह मस्जिद, उस मंदिर का हिस्सा है।

'अनैतिक और अशोभनीय' आचरण के लिए महुआ मोइत्रा लोस से निष्कासित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में शुक्रवार को लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट के आधार पर 'अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण' के लिए सदन की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया।

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी।

इससे पहले सदन में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट पर चर्चा के बाद उसे मंजूरी दी गई जिसमें मोइत्रा को निष्कासित करने की सिफारिश की गई थी।

विपक्ष विशेषकर तृणमूल कांग्रेस ने आसन से कई बार यह आग्रह किया कि मोइत्रा को सदन में उनका पक्ष रखने का मौका मिले, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पहले की संसदीय परिपाटी का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया।

सदन में चर्चा के बाद जोशी द्वारा रखे गए प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा, ''महुआ मोइत्रा के खिलाफ सदन में प्रश्न पूछने के बदले नकदी लेने में प्रत्यक्ष संलिप्तता के संदर्भ में सांसद निशिकांत दुबे द्वारा 15 अक्टूबर को दी गई शिकायत पर आचार समिति की पहली रिपोर्ट पर विचार के उपरांत समिति के इन निष्कर्षों को यह सभा स्वीकार करती है कि सांसद महुआ मोइत्रा का आचरण अनैतिक और संसद सदस्य के रूप में अशोभनीय है। इस कारण उनका लोकसभा सदस्य बना रहना उपयुक्त नहीं होगा। इसलिए यह सभा संकल्प करती है कि उन्हें लोकसभा की सदस्यता से निष्कासित कर दिया जाए।''

इसके बाद सदन ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। प्रस्ताव पारित होने से पहले ही कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस समेत ज्यादातर विपक्षी दलों के सदस्य सदन से बाहर चले गए।

देश के युवाओं का इंतजार कर रहा है सुनहरा भविष्य : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश के युवाओं का सुनहरा भविष्य इंतजार कर रहा है और पिछले 10 वर्षों में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और जातिवाद की जगह विकास ने ले ली है। यहां बुराड़ी में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर उन्होंने कहा कि शिक्षा सिर्फ करियर को आकार देने के लिए नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के लिए भी है।

शाह ने कहा, सुनहरा भविष्य देश के युवाओं का इंतजार कर रहा है। पिछले 10 वर्षों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और जातिवाद की जगह विकास ने ले ली है। उन्होंने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं और इसके विकास को गति देते हैं। उन्होंने कहा, भारत का समय आ गया है और पूरी दुनिया विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उसकी ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण और विकास विरोधाभासी नहीं हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि किसी को विश्वास नहीं था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो सकता है।

बाहर से सस्ता माल ला कर बाजार हथियाने की नीति में न पड़े कपड़ा उद्योग : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने परिधान क्षेत्र के उद्यमियों को बाहरी स्रोतों से कम गुणवत्ता का सस्ता माल खरीद कर बाजार पर कब्जा करने की मूल्य नीति के लोभ में न पड़ने की सलाह दी है।

गोयल ने शुक्रवार को यहा परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के 2021-22 तथा 2022-23 के उत्कृष्टता सम्मान के वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में कपड़ा उद्योग के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि एक-दूसरे का समर्थन करके घरेलू आपूर्ति श्रृंखला क्षमताओं का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी उद्योग का हर खंड तत्व महत्वपूर्ण होता है इसलिए घरेलू उद्योगों को देश में उपलब्ध सामान की जगह बाहर से स्ते सामान लेकिन घटिया क्वालिटी के सामानों के झांसे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ दुनिया के लिए भारत के बाजार के दरवाजे बंद करना नहीं है, बल्कि घरेलू आपूर्तिकर्ताओं को समर्थन देना और घरेलू पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना और उसके माध्यम से उन्हें व्यापक रूप से प्रतिस्पर्धा के लिए खुला छोड़ना है।

गोयल ने कहा कि भारतीय उद्यमियों को सामान से आगे बढ़ कर लक्ष्य हासिल करने की आकांक्षा करनी चाहिए और इस काम में सरकार उनकी मदद को तैयार है। मंत्री ने कहा कि सरकार कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के साथ जुड़ाव, या ब्रांड इंडिया को बढ़ावा देने के हर संभव उपाय कर रही है।

पुतिन ने की राष्ट्रपति पद का अगला चुनाव लड़ने की घोषणा

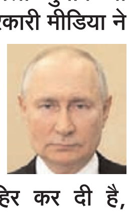

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की है कि वह देश के शीर्ष पद के लिए 2024 में होने वाला अगला चुनाव भी लड़ेंगे। रूस की सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। पुतिन ने इस घोषणा से छह साल के एक और कार्यकाल के लिए अपनी इच्छा जाहिर कर दी है, जिसमें उनका जीतना तय माना जा रहा है। लगभग एक चौथाई सदी तक सत्ता में रहने के बाद और यूक्रेन युद्ध के काफी महंगा साबित होने के बावजूद पुतिन को अभी भी व्यापक समर्थन प्राप्त है। यूक्रेन युद्ध में रूस के भी हजारों लोग मारे गए हैं और इसकी वजह से रूस के भीतर बार-बार हमले हुए हैं।

गुवाहाटी से बेंगलूरु के लिए विशेष ट्रेन का परिचालन

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार नार्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने ट्रेन नं. 05670 गुवाहाटी-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु के लिए एक तरफा विशेष ट्रेन यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन नं. 05670 गुवाहाटी से शनिवार 9 दिसम्बर को को सुबह 06.00 बजे प्रस्थान करेगी और 11 दिसम्बर सोमवार को सुबह 09.10 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। रास्ते में ट्रेन कामाख्या, गोलपाड़ा, न्यू बोंगाईगांव, कोकराझार, न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, माथाभांगा, जलपाईगुड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, किशनगंज, मालदा टाउन, रामपुर हाट, बर्धमान, दानकुनी, खड़गपुर, बालासोर, भद्रक, कटक, भुवनेश्वर, खुर्दा रोड, बेरहामपुर, पलासा, श्रीकाकुलम रोड, विजयनगरम, विशाखापत्तनम, दुव्वाडा, समालकोट, राजमुंदरी, एलुरु, विजयवाड़ा, ओंगोल, नेल्लोर, रेनिगुंटा, काटपाडी, बंगारपेट और कृष्णराजपुरम स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे। जिसमें एक एसी थ्री टियर कोच, 07 द्वितीय श्रेणी स्लीपर कोच, 08 जनरल कोच और 02 लगेज कम ब्रेक वैन होगी। वहीं उत्तर मध्य रेलवे ने ग्वालियर में वी. लक्ष्मीबाई झाँसी-दतिया तीसरी लाइन के संबंध में मौजूदा आरआरआई और यार्ड रीमॉडलिंग कार्य में बदलाव के लिए वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कई ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। ट्रेन नं. 22686 चंडीगढ़-यशवंतपुर एक्सप्रेस जो 16 दिसम्बर को चंडीगढ़ से शुरु होती है उसे ग्वालियर, शिवपुरी, गुना और बीना के रास्ते चलाया जाएगा।

नेपाली महिला और दो बच्चों को कर्नाटक के गांव में बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया

मैसूरु। यहां जिले के कैलासपुरा गांव में एक खेत में बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर की गई नेपाली महिला और उसके दो बच्चों को मुक्त करा लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, नेपाल की रहने वाली निर्मला अपने पति गोपाल और दो बच्चों के साथ एरे गौड़ा के स्वामित्व वाले खेत में काम करने आई थी। वे पिछले डेढ़ साल से खेत पर काम कर रहे थे। गौड़ा ने गोपाल के लिए 300 रुपये और निर्मला के लिए 200 रुपये दैनिक वेतन निर्धारित किया था। उन्हें सुबह 4 बजे से रात 8 बजे तक काम करने के लिए मजबूर किया गया। जब इस बारे में सवाल किया गया तो एरे गौड़ा ने पति-पत्नी को अलग कर दिया। इसी तरह, निर्मला को भी गोपाल से फोन पर बात करने की इजाजत नहीं थी। पीड़िता निर्मला ने अधिकारियों को बताया कि उसके साथ मारपीट की गई और कई बार खाना भी नहीं दिया गया। उन्होंने गौड़ा पर बच्चों से काम कराने का भी आरोप लगाया। आरोपी मकान मालिक ने उन्हें मूल स्थान पर लौटने से रोक दिया। तहसीलदार श्रीनिवास, सीडीपीओ आशा और समाज कल्याण विभाग तथा आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों के नेतृत्व में जिला अधिकारियों की एक टीम ने खेत पर छापा मारा और महिला तथा उसके दो बच्चों को बचाया।

होमवर्क न करने पर टीचर ने छात्र को लोहे की रॉड से पीटा

बेंगलूरु। बेंगलूरु में शुक्रवार को एक निजी स्कूल की महिला शिक्षिका ने होमवर्क नहीं करने पर एक छात्र को लोहे की रॉड से पीटा। सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिटाई के चलते छात्र को गंभीर रक्तस्राव हुआ और उसके हाथ पर छह टांके लगे। घटना 5 दिसंबर की है और स्कूल प्रबंधन ने मामले को दबाने की कोशिश की। ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) शाहीकला ने मीडिया को बताया है कि उन्हें बेंगलूरु के लॉर्ड्स स्कूल के एक छात्र पर शिक्षक द्वारा मारपीट की शिकायत मिली थी। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच के लिए भेजा गया है और स्कूल को नोटिस भी जारी किया गया है। उन्होंने कहा, हम पूरी रिपोर्ट लेंगे और शिक्षिका को नोटिस जारी कर उससे पूछताछ करेंगे।

सड़क दुर्घटना में पांच की मौत, कई घायल

उत्तर कन्नड़। सिरसी तालुक के बंदल गांव के पास शुक्रवार को बस और कार के बीच आमने-सामने की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, मृतकों में से तीन कार सवार दक्षिण कन्नड़ के पुत्तूर शहर के रहने वाले थे और एक अन्य तमिलनाडु का था। उनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस हुबली से भटकल शहर जा रही थी, तभी कार से टक्कर हो गई। टक्कर के प्रभाव के कारण कार क्षतिग्रस्त हो गई और कई बस यात्रियों को चोटें आईं।

आरबीआई ने म्यूचुअल फंड, क्रेडिट कार्ड भुगतान के लिये स्वत: भुगतान की सीमा बढ़ाकर एक लाख रुपये की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने व्यापारियों को वस्तुओं और सेवाओं के एवज में ग्राहकों की अनुमति से उनके खाते से निश्चित अवधि पर (आवर्ती भुगतान) स्वत: पैसा काटने की सीमा कुछ मामलों में मौजूदा 15,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये करने की अनुमति दी है। यह सीमा म्यूचुअल फंड, बीमा प्रीमियम जैसी कुछ श्रेणियों के लिए बढ़ायी गयी है। इस व्यवस्था में सत्यापन की अतिरिक्त व्यवस्था (एएफए) के बिना ग्राहकों के खाते से सीधे पैसा लेने की सीमा वर्तमान में 15,000 रुपये है। इससे ऊपर के भुगतान के लिये सत्यापन की अतिरिक्त व्यवस्था की जरूरत पड़ती है।

केंद्रीय बैंक ने इस प्रकार के लेन-देन की बढ़ती संख्या और व्यवस्था सुचारू होने को देखते हुए यह निर्णय किया है। आरबीआई के अनुसार, इस प्रकार की पंजीकृत स्वत: अनुमति फिलहाल 8.5 करोड़ है। इसके तहत हर महीने 2,800 करोड़ रुपये के लेन-देन हो रहे हैं। विभिन्न तबकों ने म्यूचुअल फंड, बीमा प्रीमियम का भुगतान और क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान जैसी श्रेणियों में सीमा बढ़ाने की जरूरत बताई है। इसको देखते हुए केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए कहा, ''म्यूचुअल फंड, बीमा प्रीमियम और क्रेडिट कार्ड बिलों के भुगतान के लिए एक लाख रुपये तक के लेनदेन के लिए एएफए की आवश्यकता से छूट देने का प्रस्ताव किया गया है।'' उन्होंने कहा कि अन्य मौजूदा आवश्यकताएं जैसे लेनदेन से पहले और बाद की सूचनाएं, उपयोगकर्ता के लिए उससे बाहर निकलने की सुविधा आदि इन लेनदेन पर लागू होंगी। इस बारे में संशोधित परिपत्र शीघ्र ही जारी किया जाएगा। एक अन्य निर्णय में आरबीआई ने वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) परिवेश में विकास की बेहतर समझ और क्षेत्र का समर्थन करने के लिए 'फिनटेक रिपॉजिटरी' स्थापित करने की भी घोषणा की। दास ने कहा, ''इसे अप्रैल, 2024 या उससे पहले रिजर्व बैंक इनोवेशन हब चालू करेगा। फिनटेक को इस 'रिपॉजिटरी' के जरिये स्वेच्छा से प्रासंगिक जानकारी प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।'' भारत में बैंक और एनबीएफसी जैसी वित्तीय संस्थाएं तेजी से फिनटेक के साथ साझेदारी कर रही हैं। दास ने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक भारत में वित्तीय क्षेत्र के लिए 'क्लाउड' सुविधा स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। बैंक और वित्तीय संस्थाओं में डेटा की लगातार मांग बनी हुई है और उसमें वृद्धि भी हो रही है। इसको देखते हुए उनमें से कई इस उद्देश्य के लिए क्लाउड सुविधाओं का उपयोग कर रहे हैं।

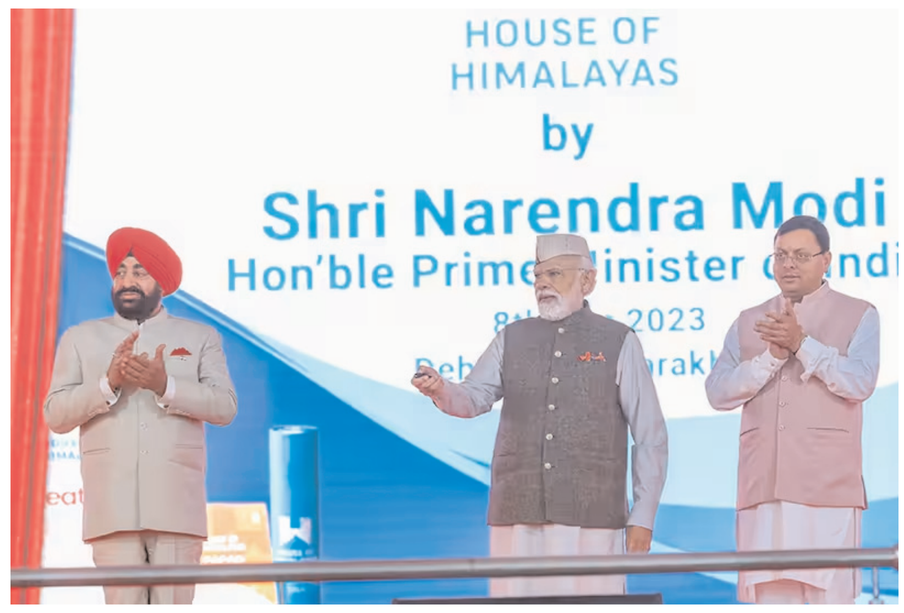

उत्तराखंड की असीमित क्षमता का लाभ उठाएं निवेशक : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को निवेशकों से उत्तराखंड की असीमित क्षमता का लाभ उठाने और उन्हें अवसरों में बदलने का आह्वान किया। वह यहां वन अनुसंधान संस्थान में उत्तराखंड वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

दो दिन के वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य इस पहाड़ी राज्य को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के तौर पर पेश करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड दिव्यता और विकास का संगम है। उन्होंने कहा, प्रकृति, संस्कृति और विरासत- उत्तराखंड में सबकुछ है। आपको उनके द्वार खोलने हैं और उन्हें अवसरों में बदलना है।

प्रधानमंत्री ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और स्वयं सहायता समूहों की आय बढ़ाने के लिए ब्रांड 'हाउस ऑफ हिमालयाज' की भी शुरुआत की। इस शिखर सम्मेलन की तैयारियां महीनों से चल रही थीं। इसमें देश और विदेशों के हजारों निवेशक और प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। शिखर सम्मेलन में 2.5 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने थे, लेकिन इस लक्ष्य को यह कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही पार कर लिया गया है। अबतक कुल तीन लाख करोड़ रुपये के एमओयू हो चुके हैं। निवेशक सम्मेलन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्रिटेन के लंदन, बर्मिंघम के साथ दुबई और अबू धाबी में रोड-शो (प्रचार-प्रसार) किए थे।

पोंजी योजनाओं को रोकने के लिए अध्ययन समूह बनाएगी महाराष्ट्र सरकार: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में पोंजी योजनाओं के बढ़ते मामलों का अध्ययन करने के लिए एक अध्ययन समूह बनाया जाएगा और इसकी सिफारिशों पर काम किया जाएगा।

वह बृहस्पतिवार से शुरू हुए राज्य विधान मंडल के शीतकालीन सत्र में प्रश्नकाल में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार तीन महीने तक इस मुद्दे पर अध्ययन के लिए एक समूह बनाएगी। समूह अपनी सिफारिशें दे देगा तो राज्य मौजूदा कानूनों में आवश्यक बदलाव करेगा। हम लोगों की गाढ़ी कमाई लूटे जाने की घटनाओं को कम करने के लिए नियमों को सख्त बनाएंगे।''

इससे पहले रवींद्र वाइकर, अशोक चव्हाण और बालासाहेब थोरात समेत कुछ विधायकों ने सदन में इस मुद्दे को उठाया था।

पार्टी का रुख बताने से पहले मलिक से बात करेंगे: अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को कहा है कि वह नवाब मलिक की राजनीतिक संबद्धता पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के उनके गुट का रुख बताने से पहले पूर्व मंत्री से बात करेंगे ताकि वह उनकी स्थिति समझ सकें।

उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मलिक को राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बृहस्पतिवार को सत्ता पक्ष की सीट पर बिठाने का विरोध करते हुए अजित पवार को पत्र लिखा था। पवार ने इस पत्र के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''मैंने वह पत्र पढ़ा है। सबसे पहली बात यह है कि नवाब मलिक साहेब कल पहली बार विधानसभा आए थे। इस बीच, मीडिया ने टीवी पर दिखाया कि वह कहां बैठे, क्यों बैठे और किसके साथ बैठे।' अजित पवार ने कहा कि उनका राकांपा समूह दो जुलाई को सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में शामिल हुआ था और मलिक यह सब होने के बाद विधानसभा में आए। उन्होंने कहा, ''मैं उनका (मलिक का) पक्ष सुनने के बाद अपना और अपनी पार्टी का रुख सामने रखूंगा।''

फडणवीस ने बृहस्पतिवार को अजित पवार को पत्र लिखकर धनशोधन मामले में आरोपी मलिक को सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन में शामिल करने पर अपनी आपत्ति जताई थी। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़े धनशोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने फरवरी 2022 में मलिक को गिरफ्तार किया था।

फिलहाल वह चिकित्सकीय आधार पर जमानत पर हैं। मलिक ने बृहस्पतिवार को यहां महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में भाग लिया। वह सदन में सबसे अंतिम पंक्ति में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के एक विधायक के पास में बैठे थे। जेल से रिहाई के बाद मलिक ने पहली बार विधानमंडल के सत्र में हिस्सा लिया था।

न्यायाधीशों से उपदेश देने की अपेक्षा नहीं की जाती: उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले की शुक्रवार को कड़ी आलोचना की, जिसमें किशोरियों को 'अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण' रखने की सलाह दी गई थी। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय की इन टिप्पणियों को आपत्तिजनक और गैर-जरूरी बताया। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने कहा कि ये टिप्पणियां संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रदत्त किशोरों के अधिकारों का पूरी तरह से उल्लंघन हैं।

पीठ ने मामले में पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी करते हुए कहा, ''हमारा प्रथम दृष्टया यह मानना है कि न्यायाधीशों से व्यक्तिगत विचार व्यक्त करने या उपदेश देने की अपेक्षा नहीं की जाती।'' शीर्ष अदालत ने इस मामले में अपनी सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान को न्याय मित्र नियुक्त किया। न्यायालय ने न्याय मित्र की सहायता के लिए अधिवक्ता लिज मैथ्यू को अधिकृत किया है।

शीर्ष अदालत ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के 18 अक्टूबर, 2023 के उस फैसले का स्वत: संज्ञान लिया, जिसमें टिप्पणी की गई थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए और दो मिनट के सुख के लिए खुद को समर्पित नहीं करना चाहिए।

'अहमदनगर जिले में चुनाव से जुड़े विवाद को लेकर दलित परिवार पर हमला किया गया'

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव से जुड़े विवाद को लेकर अहमदनगर में दो दलित परिवारों पर हमला किया गया। उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने यहां अखबारों में प्रकाशित खबरों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि बुधवार को पिंपरी निर्मल गांव में 400 से 500 लोगों की भीड़ ने दो दलित परिवारों पर हमला किया और उनके घरों को नष्ट कर दिया।

भुजबल ने पत्रकारों से कहा कि दोनों परिवारों ने ग्रामीणों की इच्छा के खिलाफ मतदान किया था। हालांकि, पुलिस ने मामले में केवल 70 लोगों पर मामला दर्ज किया है। राकांपा नेता के अनुसार, ग्रामीणों ने दोनों दलित परिवारों को धमकी देते हुए यह भी कहा कि उनका भी वही हश्र होगा जो 'खैरलांजी' और 'मणिपुर' की घटनाओं के पीड़ितों का हुआ था।

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री पद को लेकर 'सस्पेंस' जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के पांच दिन बाद भी इस बात पर 'सस्पेंस' जारी है कि छत्तीसगढ़ का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सर्बानंद सोनोवाल और पार्टी महासचिव दुष्यन्त कुमार गौतम को राज्य में विधायक दल का नेता चुनने के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

पार्टी के प्रदेश नेताओं के मुताबिक, विधायक दल का नेता चुनने के लिए शनिवार या रविवार को पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में 54 नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 90 में से 54 सीट जीतकर बहुमत हासिल किया है।

राज्य में 2018 में 68 सीट जीतने वाली कांग्रेस 35 सीट पर सिमट गई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (जीजीपी) एक सीट जीतने में कामयाब रही। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमन सिंह ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक जल्द होगी। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, पर्यवेक्षकों के शनिवार को रायपुर पहुंचने की संभावना है जिसके बाद विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए बैठक शनिवार शाम या रविवार को हो सकती है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश किए बिना चुनाव लड़ने वाली भाजपा छत्तीसगढ़ में किसी ओबीसी या आदिवासी नेता को बागडोर सौंपने पर विचार कर रही है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक पूर्व केंद्रीय मंत्री विष्णु देव साय, विधायक चुने जाने के बाद केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने वाली रेणुका सिंह, राज्य के पूर्व मंत्री रामविचार नेताम और लता उसेंडी, विधायक चुने जाने के बाद सांसद पद से इस्तीफा देने वाली गोमती साय मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं।

राज्य की आबादी में आदिवासियों की हिस्सेदारी 32 फीसदी है और भाजपा ने इस बार 90 सदस्यीय राज्य विधानसभा में अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षित 29 सीट में से 17 पर जीत हासिल की है। साल 2018 में भाजपा ने एसटी वर्ग के लिए आरक्षित केवल तीन सीटों पर जीत हासिल की थी।

आदिवासी बहुल सरगुजा संभाग के सभी 14 विधानसभा क्षेत्रों, जो 2018 में कांग्रेस ने जीते थे, इस बार भाजपा ने जीत लिए और इसे चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का कारण माना जा रहा है। विष्णुदेव साय, रेणुका सिंह, रामविचार नेताम और गोमती साय इसी संभाग से हैं। इसके अलावा प्रदेश में पार्टी के अध्यक्ष अरुण साव, जिन्होंने विधायक चुने जाने के बाद सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था, और नौकरशाह से नेता बने ओपी चौधरी, दोनों पिछड़ी जाति से हैं, भी मुख्यमंत्री के दावेदारों में से हैं। साव, राज्य के प्रभावशाली ओबीसी समुदाय साहू (तेली) से आते हैं जो मुख्य रूप से दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर संभाग में रहते हैं। राज्य में करीब 45 फीसदी ओबीसी आबादी है।

'आप' ने पंजाब को अभूतपूर्व संकट में धकेल दिया है: तरुण चुघ

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने पंजाब को 'अभूतपूर्व संकट' में डाल दिया है। उन्होंने आर्थिक और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधा।

चुघ ने एक बयान में दावा किया कि सीमावर्ती राज्य पंजाब में राष्ट्रविरोधी तत्व खुलेआम घूम रहे हैं, जो चिंता का विषय है। भाजपा नेता ने कहा, भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप सरकार ने पंजाब को एक अभूतपूर्व संकट में डाल दिया है। आप सरकार के तहत पंजाब आर्थिक रूप से ध्वस्त हो गया है और...कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। चुघ ने कहा, राज्य को उन गैंगस्टरों के हवाले कर दिया गया है जो बेलगाम अपना काम कर हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, राष्ट्र-विरोधी तत्व सीमावर्ती राज्य में खुलेआम खेल रहे हैं, जो एक बहुत ही गंभीर राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

भारत ने अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने प्याज की घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और इसकी कीमतों पर काबू पाने के लिए अगले साल मार्च तक इसके (प्याज) निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि प्याज की निर्यात नीति को 31 मार्च, 2024 तक मुक्त से प्रतिबंधित श्रेणी में कर दिया गया है। राजधानी दिल्ली में स्थानीय सब्जी विक्रेता 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम पर प्याज बेच रहे हैं। इसकी वजह से आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने लगा है। इसके पहले अक्टूबर में केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए खुदरा बाजारों में 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बफर प्याज स्टॉक बेचने का फैसला किया था। सरकार ने इस साल 28 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक प्याज के निर्यात पर 800 डॉलर प्रति टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) भी तय किया था। इसके पहले अगस्त में प्याज पर 31 दिसंबर तक 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया गया था। हालांकि, डीजीएफटी ने कहा कि अन्य देशों को उनके अनुरोध के आधार पर सरकार से मंजूरी लेकर प्याज के निर्यात की अनुमति होगी। इसके अलावा इस अधिसूचना से पहले ही लदान हो चुकी प्याज की खेप को भी निर्यात की अनुमति है। इसके अलावा अगर प्याज की खेप इस अधिसूचना के जारी पहने के पहले सीमा शुल्क को सौंप दी गई है और इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली में उसे दर्ज किया जा चुका है तो उस प्याज के निर्यात की भी अनुमति है। ऐसी खेपों को अगले साल पांच जनवरी तक निर्यात किया जा सकेगा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार माह में पहली बार 600 अरब डॉलर के पार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर को बढ़कर 604 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। चार माह में पहली बार विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार हुआ है। इससे पहले 11 अगस्त को विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से ऊपर था। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने दिसंबर की द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा, ''भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक दिसंबर, 2023 को 604 अरब डॉलर था। इससे हम अपनी बाहरी वित्तपोषण जरूरतों को सुगमता से पूरा कर सकते हैं।'' इससे पहले 24 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 597.93 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में विदेशी मुद्रा भंडार 642 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। इसके बाद पिछले साल से वैश्विक घटनाक्रमों की वजह से रुपये को दबाव से बचाने के लिए केंद्रीय बैंक ने इस भंडार का इस्तेमाल किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई।

व्यवसायों का संचालन नैतिक, निष्पक्ष ढंग से हो: अजीम प्रेमजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी विप्रो के संस्थापक चेयरमैन एवं परोपकारी अजीम प्रेमजी ने शुक्रवार को कहा कि व्यवसायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे खुद को नैतिक और निष्पक्ष रूप से संचालित करें और यह दर्शन उनके सभी संबंधों एवं लेनदेन में दिखना चाहिए।

प्रेमजी ने उद्योग मंडल फिक्की के वार्षिक समारोह में कहा कि जब तक व्यवसाय निर्णायक रूप से कार्य नहीं करेंगे, वे पर्यावरण संकट से निपटने में सक्षम नहीं होंगे। उन्होंने कंपनियों से पर्यावरण और समाज के प्रति सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। विप्रो के पूर्व चेयरमैन ने कहा कि मजबूत प्रभाव और भूमिका को देखते हुए समाज के लिए यह महत्वपूर्ण है कि व्यवसायों का उद्देश्य लाभ से परे हो। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े प्रेमजी ने कहा, व्यवसायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे खुद को नैतिक और निष्पक्ष रूप से संचालित करें। यह मामला ग्राहकों, कर्मचारियों, विक्रेताओं और अन्य लोगों के साथ सभी संबंधों और लेनदेन में दिखना चाहिए जो कि बुनियाद है... क्योंकि यदि व्यवसाय नैतिक रूप से संचालित नहीं किया जाता है, तो उसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को यह समझना चाहिए कि उनके कार्यों का प्रत्यक्ष हितधारकों के साथ दुनिया एवं समाज पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

सॉफ्टबैंक ने जोमैटो में 1,128 करोड़ रुपये की अपनी 1.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली/भाषा। जापान की कंपनी सॉफ्टबैंक ने शुक्रवार को जोमैटो में 1,128 करोड़ रुपये की अपनी 1.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी। सौदे के बाद जोमैटो के शेयर एनएसई पर 1.27 प्रतिशत गिरकर 120.15 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बंद हुए। जोमैटो के शेयर खरीदारों में इनवेस्को म्यूचुअल फंड (एमएफ), सुंदरम एमएफ, एडलवाइस एमएफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस, गोल्डमैन सैक्स (सिंगापुर), मॉर्गन स्टेनली एशिया सिंगापुर, सोसायटी जेनरल, बीएनपी परिबा आर्बिट्रेज, कॉप्थल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इन्वेस्टमेंट व अन्य शामिल थे। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को मिले आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक की सहयोगी एसवीएफ ग्रोथ (सिंगापुर) प्राइवेट ने जोमैटो में 1.08 प्रतिशत हिस्सेदारी के तहत 9,35,69,368 शेयर बेचे। शेयर औसतन 120.50 रुपये की कीमत पर बेचे गए, जिससे संयुक्त सौदे का आकार 1,127.51 करोड़ रुपये हो गया।

इन्वेस्ट कर्नाटक के माध्यम से राज्य में 5,41,369 करोड़ रु. निवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। गत नवम्बर 2022 में बेंगलूरु में आयोजित 'इन्वेस्ट कर्नाटक' सम्मेलन के माध्यम से सरकार ने 5,41,369 करोड़ रुपये के निवेश के लिए 57 कंपनियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी बेलगावी में सुवर्णसौधा में भारी और मध्यम उद्योग मंत्री एम.बी. पाटिल ने दी। प्रश्नोत्तरी सत्र के दौरान एम. चंद्रप्पा के प्रस्ताव का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि हुब्बल्ली में आयोजित एफएमसीजी निवेशकों के सम्मेलन में 16 कंपनियों ने राज्य में 1,275 करोड़ रुपये का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि पूंजी निवेश के लिए समझौता हुआ है।

परियोजनाओं को चालू होने में 3 से 4 वर्ष लगेंगे

इन्वेस्ट कर्नाटक में किए गए समझौतों में से 7 परियोजनाओं को एकवाक्षी समिति द्वारा मंजूरी दे दी गई है, जिसके लिए भूमि, पानी और बिजली की आपूर्ति प्रदान की जाएगी। एफएमसीजी सम्मेलन में 16 समझौतों में से 3 परियोजनाओं को मोनोलिथिक प्रणाली के माध्यम से मंजूरी दे दी गई है और इनके लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कदम उठाए गए हैं, उपरोक्त दोनों प्रकार की परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने बताया कि इन्वेस्ट कर्नाटक-2022 वैश्विक निवेशक सम्मेलन के लिए पिछली सरकार से 74.99 करोड़ रु. खर्च किया उन्होंने कहा कि नवंबर 2022 में हुब्बल्ली में आयोजित निवेशक सम्मेलन के लिए सरकार की ओर से 12.23 लाख रुपये खर्च किये गये हैं। इसके अलावा, मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकारी नियमों के अनुसार, इन उद्योगों में 'डी' समूह के 100 प्रतिशत पद कन्नड़िगरों को दिए जाने चाहिए और कुल नौकरियों में से 70 प्रतिशत स्थानीय लोगों को दी जाएगी।

सावरकर पर प्रियांक खरगे का बयान वामपंथी इतिहासकारों के विचारों की श्रृंखला : सीटी रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सीटी रवि ने शुक्रवार को वीर सावरकर पर कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री प्रियांक खरगे के बयान को उन वामपंथी इतिहासकारों के विचारों की श्रृंखला करार दिया जिन्होंने कांग्रेस के कथन के अनुरूप फर्जी इतिहास लिखा है।

रवि ने अपने बयान में कहा, आपने एक्स पर जो कुछ भी साझा किया है वह आपके विचार हैं जो वामपंथी इतिहासकार इरफान हबीब और रोमिला थापर के विचारों की एक श्रृंखला है, जिन्होंने कांग्रेस की कहानी के अनुरूप फर्जी इतिहास लिखा था। उन्होंने खरगे को एक्स पर श्री सावरकर पर अपने विचार प्रस्तुत करने के बजाय सेलुलर जेल में लाइव बहस करने की चुनौती दी।

उन्होंने कहा, यहां एक्स पर पोस्ट करने के बजाय हमें सेलुलर जेल में एक लाइव बहस करनी चाहिए ताकि पूरी दुनिया सच्चाई देख सके। हमारी युवा पीढ़ी को नेहरू और वीर सावरकर के बारे में असली सच्चाई जानने दें। मैं इस बहस के दौरान महान राष्ट्रवादी वीर सावरकर के संबंध में आपके सभी सवालों का जवाब निश्चित रूप से दूंगा। उन्होंने खरगे से यह भी बताने के लिए कहा कि जब 15 प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों में से 12 ने अंग्रेजों से आजादी पाने के बाद भारत का नेतृत्व करने के लिए सरदार पटेल को चुना तो जवाहरलाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री कैसे बने। भाजपा नेता ने कहा , मेरी पेशकश अभी भी कायम है। कृपया अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की सेलुलर जेल में मेरे साथ शामिल हों। हमें बहस करने दें कि क्या नेहरू एक सच्चे स्वतंत्रता सेनानी थे या वीर सावरकर। मुझे आशा है कि आप नेहरू और वीर सावरकर के बारे में मेरे साथ बहस करने से नहीं डरेंगे।

इससे पहले खरगे ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा वीर सावरकर को वीर की उपाधि किसने दी? इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। अगर वे (भाजपा) जानते हैं, तो उन्हें बताएं - क्या सावरकर अंग्रेजों से पेंशन ले रहे थे या नहीं? क्या उन्होंने (अंग्रेजों को) पांच -छह बार माफी पत्र लिखा था या नहीं? क्या उनके परिवार ने माफ़ीनामा लिखा या नहीं? उन्होंने सवाल किया, जब सुभाष चंद्र बोस भारतीय राष्ट्रीय सेना का आयोजन कर रहे थे - तो क्या वह उनके खिलाफ नहीं गये और लोगों को ब्रिटिश सेना में शामिल होने के लिए प्रभावित नहीं किया? गौ माता पर उनकी क्या राय थी? भाजपा को इन सरल सवालों का जवाब देने दीजिए। उन्होंने राज्य विधानसभा से यह कहते हुए सावरकर की तस्वीर हटाने की भी वकालत की थी कि उनकी विचारधारा नफरत और विभाजन को बढ़ावा देती है।

गौरतलब है कि सावरकर की तस्वीर हटाने की अफवाह तब उड़ी जब कर्नाटक के स्पीकर यूटी खादर ने कहा कि विधानसभा कक्ष में नेहरू की तस्वीर लगाने के बारे में बातचीत चल रही है। खादर ने हालांकि यह भी कहा कि मौजूदा शीतकालीन सत्र से इतर सावरकर की तस्वीर हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। सावरकर की तस्वीर हटाने और उसकी जगह जवाहरलाल नेहरू की तस्वीर लगाने की अफवाहों के जवाब में उन्होंने कहा, मैं इस मुद्दे से अनभिज्ञ हूं। ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

महाराष्ट्र भाजपा विधायकों का प्रदर्शन

बेंगलूरु/नागपुर। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने कांग्रेस नेता प्रियंक खरगे की उस टिप्पणी के विरोध में शुक्रवार को यहां विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर अनुमति दी गई तो वह कर्नाटक विधानसभा के कक्ष से हिंदुत्व विचारक वी डी सावरकर की आदमकद तस्वीर हटा देंगे। भाजपा के कई विधायक राज्य विधानमंडल की सीढ़ियों पर एकत्र हुए। उन्होंने कर्नाटक के मंत्री की टिप्पणी की निंदा करते हुए नारे लगाए और इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से प्रतिक्रिया देने के लिये कहा। कर्नाटक के विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने बृहस्पतिवार को कहा था कि विधानसभा कक्ष से सावरकर की आदमकद तस्वीर को हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

सिद्दरामैया ने मौलवी के बारे में भाजपा नेता के आरोपों की जांच का मोदी से आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता बसनगौडा पाटिल यतनाल द्वारा लगाये गए आरोप की जांच का आदेश देने का शुक्रवार को आग्रह किया। पाटिल का आरोप है कि मुख्यमंत्री ने जिस मौलवी के साथ मंच साझा किया था, उसके आतंकवादी समूह आईएसआईएस के साथ संबंध हैं।

सिद्दरामैया ने कहा कि उन्होंने सईद तनवीर हाशमी के साथ अपनी मित्रता को खुले तौर पर स्वीकार किया है। उन्होंने कहा, आईएसआईएस के साथ मौलवी तनवीर हाशमी के संबंधों के बारे में क्या कोई सच्चाई है, प्रधानमंत्री के लिए इसकी पूरी तरह से जांच करने और किसी भी संबंधित विवरण का खुलासा किया जाना जरूरी है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो इस तरह के झूठे आरोप लगाने के लिए यतनाल के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री यतनाल ने सिद्दरामैया पर हाशमी के साथ दोस्ताना संबंध रखने का आरोप लगाया था। यतनाल का आरोप है कि हाशमी की आतंकवाद के प्रति सहानुभूति है और उनके पश्चिम एशिया के आतंकवादी संगठनों के साथ संबंध हैं। मुख्यमंत्री ने इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कर्नाटक के हुब्बल्ली में एक कार्यक्रम में उनके साथ मंच साझा किया था।

सिद्दरामैया ने कहा कि हाशमी ने भी केंद्र सरकार को उनके खिलाफ आरोपों की जांच करने की चुनौती दी है। मीडिया के एक वर्ग में आयी खबर का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि यह पता चला है कि भाजपा के विधायक के हाशमी के परिवार के साथ व्यापारिक संबंध हैं।

उन्होंने कहा, यदि तनवीर हाशमी के आईएसआईएस के साथ संबंध हैं, जैसा कि यतनाल द्वारा आरोप लगाया गया है, तो क्या विधायक को इसके बारे में जानकारी नहीं थी जो उनके व्यवसायिक साझेदार हैं, चुप रहने का कारण क्या है?

कर्नाटक और मेघालय में भूकंप के झटके महसूस किए गए

बेंगलूरु/शिलांग। महाराष्ट्र की सीमा से सटे उत्तरी कर्नाटक के विजयपुरा जिले के कुछ हिस्सों में शुक्रवार सुबह 3.0 तीव्रता का भूकंप आया। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने यह जानकारी दी। केएसएनडीएमसी के बयान के मुताबिक, भूकंप सुबह 6 बजकर 52 मिनट पर आया जिसका केंद्र जिले के विजयपुरा तालुक में उकुमानल गांव से 4.3 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में था।

बयान में कहा गया है कि भूकंप के तीव्रता मापन से पता चला है कि इसकी तीव्रता कम थी और इसके झटके आसपास के 40-50 किलोमीटर के दायरे में महसूस किए जा सकते हैं। बयान के अनुसार, तीव्रता कम होने के कारण इस भूकंप से स्थानीय लोगों को कोई नुकसान नहीं होगा, हालांकि स्थानीय स्तर पर झटके महसूस हो सकते हैं। इस बीच, मेघालय की राजधानी शिलांग और आसपास के इलाकों में भी शुक्रवार सुबह 3.8 तीव्रता का भूकंप आया। एक अधिकारी ने बताया कि जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। शिलांग में क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि भूकंप सुबह 8:46 बजे, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.8 मापी गई। उन्होंने बताया कि भूकंप का केंद्र शहर के दक्षिण-पश्चिम में मावफलांग इलाके में 14 किलोमीटर गहराई में था।

जद(एस) से निष्कासित सी एम इब्राहिम 11 को पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (एस) से निष्कासित सी एम इब्राहिम 11 दिसंबर को बेंगलूरु में पार्टी का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर जद (एस) अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा और उनके परिवार के खिलाफ एक बड़े शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। जद (एस) की 'कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष' के तौर पर इब्राहिम (75) ने बेंगलूरु में राष्ट्रीय स्तर की बैठक बुलाई है। उन्होंने दावा किया कि इसमें देशभर से पार्टी सदस्य और नेता हिस्सा लेंगे।

सी एम इब्राहिम ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हम एक राष्ट्रीय स्तर की बैठक आयोजित कर रहे हैं, जहां हम रहने की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, राजस्थान समेत देशभर के प्रदेश अध्यक्ष यहां आ रहे हैं।'' इब्राहिम के मुताबिक इस बैठक का एजेंडा 'धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में खड़े हों' है।

उन्होंने कहा, ''मैं एक निर्वाचित व्यक्ति हूं। वे मुझे हटा नहीं सकते। मेरे पिता ने मुझे पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त नहीं किया है। मुझे मतदाता के रूप में जनता दल (एस) के नेताओं ने चुना है।'' इब्राहिम ने कहा कि वह अखिलेश यादव, नीतीश कुमार, राजद नेताओं, बीआरएस के के चंद्रशेखर राव, एम के स्टालिन और पिनरायी विजयन जैसे समान विचारधारा वाले लोगों के संपर्क में हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के कर्नाटक से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा पर उन्होंने इसका स्वागत किया। इब्राहिम ने कहा कि उनकी पार्टी उनका (राहुल गांधी का) समर्थन करेगी।

इब्राहिम ने कहा, ''पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी पुत्रवधू सोनिया गांधी कर्नाटक से चुनाव लड़ी थीं और अब उनके पौत्र (राहुल गांधी) यहां से चुनाव लड़ेंगे। जिस भी निर्वाचन क्षेत्र से वह लड़ना चाहते हैं, उन्हें चुनने दें। हम उनका समर्थन करेंगे।'' सी एम इब्राहिम को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण जद (एस) से निष्कासित कर दिया गया था।

पार्टी अध्यक्ष एच डी देवेगौड़ा ने 19 अक्टूबर को इब्राहिम को पार्टी की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष पद से हटा दिया था और उनके स्थान पर अपने बेटे एच डी कुमारस्वामी को नियुक्त किया था। इब्राहिम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल होने के जद (एस) के फैसले के खिलाफ विद्रोह का झंडा बुलंद किया था।

जद एस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेडीएस अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा ने कल आपात राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक बुलाई है। जद (एस) का एक वर्ग एनडीए के साथ गठबंधन से नाराज है, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के लिए कांग्रेस ने रणनीति बनाई है।कांग्रेस ने विधानसभा में जेडीएलपी को विभाजित करने और कुछ विधायकों को अलग बैठाने की रणनीति तैयार की थी। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव के.एल. शिवकुमार, मोहम्मद जफरुल्लाह खान, पश्चिम बंगाल प्रदेश अध्यक्ष पुनीत कुमार सिंह, हरियाणा इकाई से जोरा सिंह, पंजाब इकाई से अवतार सिंह, वहां से अशोक कुमार, जम्मू-कश्मीर से राम रतन शर्मा, उत्तराखंड से सुरेश दास, महाराष्ट्र से मोहम्मद अजमल खान, एन.एच. कथरिया, एन.एच. शेवाले समेत दिल्ली, तमिलनाडु, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश से 21 महत्वपूर्ण अधिकारी पहुंचेंगे। उनके अलावा राज्य विधानसभा और विधान परिषद के पूर्व सदस्यों और नेताओं को भी पार्टी ने आमंत्रित किया है। शनिवार की बैठक में एनडीए गठबंधन के बाद पार्टी संगठन पर चर्चा, पांच राज्यों के विधानसभा नतीजों की समीक्षा और अल्पसंख्यकों के पार्टी छोड़ने के बाद अगला कदम क्या हो, इस पर चर्चा होगी।राष्ट्रीय कांग्रेस से बचने के लिए अपनी एकजुटता दिखाने के अलावा बैठक में पार्टी में फूट डालने को तैयार निलंबित सीएम इब्राहिम पार्टी के इब्राहिम और केरल इकाई के कुछ पदाधिकारियों को पार्टी से निष्कासित करने का निर्णय लिया जाएगा। कुमारस्वामी प्रदेश अध्यक्ष पद पर स्थायी हैं।

पदयात्रा

कर्नाटक राष्ट्र समिति पक्ष के सदस्य किसानों के समर्थन में मारानहोला गांव से पदयात्रा के तहत शुक्रवार को बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा पहुंचे।

कन्नड़ फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री लीलावती का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तमिल और तेलुगू समेत 600 से अधिक फिल्मों में काम करने वाली प्रख्यात कन्नड़ अभिनेत्री लीलावती का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 85 वर्ष की थीं और वृद्धावस्था के कारण होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहीं थीं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक लीलावती ने बेंगलूरु शहर के बाहरी इलाके नेलमंगला में एक निजी अस्पताल में शुक्रवार शाम को अंतिम सांस ली।

लीलावती ने कन्नड़ भाषा की करीब 400 फिल्मों समेत 600 से अधिक फिल्मों में काम किया था। वह पिछले कई वर्षों से अपने बेटे विनोद राज के साथ नीलमंगला में रह रहीं थीं। विनोद राज भी एक अभिनेता हैं। विनोद राज ने मां के निधन पर कहा, अब मैं अकेला रह गया हूं।

लीलावती को 'भक्त कुंभारा', 'संत तुकाराम', 'भक्त प्रह्लाद', 'मांगल्य योग' और मन मेच्चिदा मद्दी में उनकी अदाकारी के लिए याद किया जाता है। सिद्दरामैया ने लीलावती के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन की

खबर 'दर्दनाक' है। सिद्दरामैया ने कहा, पिछले हफ्ते, उनकी बीमारी के बारे में सुनने के बाद, मैं उनके घर गया और उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की तथा उनके बेटे विनोद राज से बात की... मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं...।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। लीलावती कन्नड़ फिल्म उद्योग की शोभा बढ़ाने वाली सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्रियों में से एक हैं। श्वेत-श्याम फिल्मों से लेकर आधुनिक सिनेमा तक, उन्होंने सक्रिय रूप से कला की सेवा की। शिवकुमार ने याद किया कि उन्होंने नायिका और सहायक अभिनेत्री के रूप में 600 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया था और कन्नड़ छायाकारों के दिलों में घर बनाया था। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा, पूर्व मुख्यमंत्रियों बी एस येडीयुरप्पा, बसवराज बोम्मई और एच डी कुमारस्वामी, विधानपरिषद के अध्यक्ष बसवराज होर्राट्टी, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा आदि ने भी लीलावती के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मुस्लिम महिला ने बजरंग दल कार्यकर्ता से की शादी

दक्षिण कन्नड़। यहां मुस्लिम महिला ने बजरंग दल के कार्यकर्ता से शादी की। इसके बाद दक्षिण कन्नड़ जिले में हिंदुत्व कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को शादी का जश्न मनाया। दक्षिण कन्नड़ के सूरतकल शहर के हिंदुत्व कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर संदेश पोस्ट कर दावा किया कि 'आयशा अक्षता' बन गई हैं। कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर जोड़े की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्हें पारंपरिक हिंदू पोशाक पहने देखा जा सकता है। इस घटना से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में विवाद भड़कने की आशंका है।

एएफटीसी, बेंगलूरु में तकनीकी अधिकारियों की स्नातक परेड हुई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वायुसेना तकनीकी कॉलेज में शुक्रवार को 211/22टी/परमानेंट कमीशन और शॉर्ट सर्विस कमीशन / 101वें वैमानिकी इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम अधिकारियों की औपचारिक पासिंग आउट परेड आयोजित की गई। इस अवसर पर 19 महिला अधिकारियों और मित्र देशों के 11 अधिकारियों सहित कुल 95 इंजीनियरिंग अधिकारी कॉलेज से अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हुए।

परेड की समीक्षा एयर मार्शल आरजीके कपूर द्वारा की गई। परेड के दौरान डोर्नियर विमान के शानदार फ्लाईपास्ट और उसके बाद भारतीय वायुसेना की 'एयर डेविल्स' टीम के स्काईडाइविंग प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा। 'एयर वॉरियर ड्रिल टीम' ने रोमांचक प्रदर्शन किया।

इसके बाद एओसी-इन-सी ने सभा को संबोधित किया और स्नातक अधिकारियों को बधाई दी। अपने संबोधन में, एयर मार्शल ने आईएएफ इन्वेंट्री की उच्च सेवाक्षमता सुनिश्चित करने के लिए इंजीनियरिंग अधिकारियों द्वारा की गई महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने उत्तीर्ण होने वाले अधिकारियों से उच्च विश्वसनीयता और क्षमता पर ध्यान केंद्रित करके भविष्य की परिचालन, तकनीकी और रखरखाव चुनौतियों के प्रति सचेत रहने का आह्वान किया।

उन्होंने युवा इंजीनियरिंग अधिकारियों को कौशल को लगातार उन्नत करके तेजी से बदलती तकनीक के साथ तालमेल बैठाने के लिए प्रोत्साहित किया। आरओ ने पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को ट्रॉफी और पदक से सम्मानित किया। योग्यता क्रम में प्रथम स्थान के लिए प्रतिष्ठित 'स्वोर्ड ऑफ ऑनर' फ्लाइंग ऑफिसर तुषिका नाथ को दिया गया। वहीं, पेशेवर विषयों में सर्वश्रेष्ठ अधिकारी के लिए 'राष्टपति पट्टिका' फ्लाइंग ऑफिसर शुभम सिंह को दी गई। इलेक्ट्रॉनिक्स और मैकेनिकल स्ट्रीम में योग्यता के क्रम में प्रथम होने के लिए चीफ ऑफ एयर स्टाफ मेडल क्रमशः फ्लाइंग ऑफिसर विष्णु मोलकला राहित्य और फ्लाइंग ऑफिसर स्नेहा अजित भाईप को प्रदान किए गए।

विज्ञान मेला

बेंगलूरु में शुक्रवार को नेशनल कॉलेज ग्राउंड में नेशनल एजुकेशन सोसाइटी द्वारा आयोजित दो दिवसीय विज्ञान मेले सुपरनोवा में प्रदर्शन को देखते छात्र।

मेट्रो में महिला से छेड़छाड़ करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलूरु मेट्रो में यात्रा के दौरान 22 वर्षीय सॉफ्टवेयर प्रोफेशनल महिला के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 30 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार को हुई जब पीड़िता मेट्रो से राजाजीनगर से मैजेस्टिक तक यात्रा कर रही थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि भीड़भाड़ का फायदा उठाकर लोकेश नाम के आरोपी ने उसे गलत तरीके से छुआ। शुरुआत में, सॉफ्टवेयर पेशेवर महिला ने घटना को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन आरोपी की जानबूझकर की गई हरकतों का एहसास होने पर, उसने शोर मचा दिया। जैसे ही ट्रेन मैजेस्टिक स्टेशन पहुंची, आरोपी ने भागने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षाकर्मी और सह-यात्री उसे पकड़ने में कामयाब रहे। पीड़ित और सह-यात्रियों ने अधिकारियों से उसे हिरासत में लेने का आग्रह किया। सुरक्षा अधिकारी पुट्टमदैया और दिवाकर ने आरोपी को सफलतापूर्वक पकड़ लिया और उसे उप्पारपेट पुलिस को सौंप दिया। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी आदतन अपराधी है।

इससे पहले, उसे सिटी बस में एक युवती से मोबाइल फोन चुराते हुए पकड़ा गया था। पुलिस ने उसके पास से 20 मोबाइल फोन और एक दोपहिया वाहन बरामद किया है।

फतेहपुर में न्यूनतम तापमान पांच डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सर्दी जोर पकड़ने लगी है, जहां सीकर का फतेहपुर पांच डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ राज्य में सबसे सर्द स्थान रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार फतेहपुर में रात का तापमान गिरकर पांच डिग्री सेल्सियस हो गया। वहीं सीकर और चुरू में न्यूनतम तापमान क्रमश: 6.0 और 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इसी तरह बीती रात न्यूनतम तापमान संगरिया (हनुमानगढ़) में 7.1 डिग्री, पिलानी में 8.0 डिग्री, सिरोही में 8.7 डिग्री, गंगानगर में 9.3 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य स्थानों की बात की जाए तो न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस (जैसलमेर) और 15.8 डिग्री सेल्सियस (धौलपुर) में रहा।

ठंड के मौसम की आमद के साथ ही राजस्थान में सर्दी जोर पकड़ने लगी है। शुक्रवार को राजस्थान ने जमकर कहर बरपाया है। राज्य में पारा काफी नीचे जा चुका है। प्रदेश के कुछ इलाकों में में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। बढ़ती ठंड को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने ताजा अपडेट दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अब तेजी से पारा और नीचे जाने की संभावना है। इस दौरान राज्य के कई जिलों में तापमान 5-10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। आइये जानते हैं मौसम विभाग ने राजस्थान के मौसम को लेकर क्या-क्या बताया है...

शुक्रवार को राजस्थान का मौसम अपडेट देते हुए भारतयी मौसम विभाग ने बताया कि सीकर का फतेहपुर पांच डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ राज्य में सबसे सर्द स्थान रहा। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार फतेहपुर में रात का तापमान गिरकर पांच डिग्री सेल्सियस हो गया। वहीं सीकर और चुरू में न्यूनतम तापमान क्रमश: 6.0 और 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने राज्य में तेजी से ठंड बढ़ने के आसार जताए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि आने वाले दिनों में राज्य का तापमान और नीचे जा सकता है।

एक ओर जहां राजस्थान के सीकर जिले का फतेहपुर इलाका सबसे ठंडा रहा, वहीं अन्य इलाकों में भी ठंड का प्रकोप जारी है। बढ़ी हुई ठंड के बाद लोगों को तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, बीती रात न्यूनतम तापमान संगरिया (हनुमानगढ़) में 7.1 डिग्री, पिलानी में 8.0 डिग्री, सिरोही में 8.7 डिग्री, गंगानगर में 9.3 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य स्थानों की बात की जाए तो न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस (जैसलमेर) और 15.8 डिग्री सेल्सियस (धौलपुर) में रहा। इसी तरह बाकी के जिलों में ठंड बढ़ी हुई है। आने वाले दिनों तापमान और नीचे जाने की संभावना है।

राजस्थान में आजादी के बाद छठी गैर कांग्रेसी सरकार बनेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजस्थान में आपातकाल के बाद वर्ष 1977 में हुए छठीं विधानसभा के चुनाव में पहली बार भारी बहुमत 150 सीट के साथ जनता पार्टी की भैंरो सिंह शेखावत के नेतृत्व में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी। उस समय कांग्रेस केवल 41 सीट ही जीत पाई। इसके बाद वर्ष 1990 में नौवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने जनता दल के साथ गठबंधन के साथ शेखावत के नेतृत्व में दूसरी बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी।

जयपुर। राजस्थान में सोलहवीं विधानसभा के चुनाव में 115 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार का शीघ्र ही गठन होने वाला है और यह प्रदेश में आजादी के बाद छठी गैर कांग्रेसी सरकार होगी। भाजपा ने राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राज्य सभा सांसद सरोज पांडेय और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है और वे भाजपा विधायक दल की बैठक में नेता का चुनाव कराएंगे और इसके बाद उस नेता के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनेगी जो प्रदेश में अब तक हुए सोलह विधानसभा चुनावों में छठी गैर कांग्रेसी सरकार होगी जबकि आजादी के बाद अब तक दस बार कांग्रेस की सरकार रही है।हाल में हुए 16वीं विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 69 सीटें ही जीत पाई हैं।

राजस्थान में आपातकाल के बाद वर्ष 1977 में हुए छठीं विधानसभा के चुनाव में पहली बार भारी बहुमत 150 सीट के साथ जनता पार्टी की भैंरो सिंह शेखावत के नेतृत्व में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी। उस समय कांग्रेस केवल 41 सीट ही जीत पाई। इसके बाद वर्ष 1990 में नौवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने जनता दल के साथ गठबंधन के साथ शेखावत के नेतृत्व में दूसरी बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी। नौवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने 85 सीटें जीती जबकि उसके सहयोगी दल जनता दल ने 55 सीटें जीतकर दूसरे और 50 सीट जीतकर कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही।

इसके बाद वर्ष 1993 में दसवीं विधानसभा के चुनाव में भाजपा ने 96 सीटें जीती और निर्दलीयों के सहयोग से भाजपा के शेखावत ने प्रदेश में तीसरी बार गैर कांग्रेसी सरकार बनाई और उन्होंने राज्य में तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त किया।

इस चुनाव में कांग्रेस ने 76 सीटें हासिल की जबकि 21 निर्दलीय प्रत्याशियों ने चुनाव जीता। इसके बाद वर्ष 2003 में 12वीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने 120 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया और श्रीमती वसुंधरा राजे के नेतृत्व में प्रदेश में चौथी गैर कांग्रेसी सरकार बनी और श्रीमती राजे पहली बार एवं राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी। इस चुनाव में कांग्रेस 56 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी।

वर्ष 2013 में 14वीं विधानसभा के चुनाव में भाजपा को 163 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत मिला और श्रीमती वसुंधरा राजे को दूसरी बार प्रदेश की मुख्यमंत्री बनने का गौरव प्राप्त हुआ। यह राज्य में पांचवीं गैर कांग्रेसी सरकार थी। इस चुनाव में कांग्रेस अब तक की अपनी सबसे कम 21 सीटों पर ही सिमट गई।

आजादी के बाद वर्ष 1952 में पहली विधानसभा चुनाव से लेकर वर्ष 1972 में हुए पांचवीं विधानसभा चुनाव तक लगातार पांच बार कांग्रेस की सरकार बनी। इसके बाद वर्ष 1980 में सातवीं एवं वर्ष 1985 में आठवीं विधानसभा चुनाव में लगातार दो बार फिर कांग्रेस की सरकार रही। इसके बाद वर्ष 1998 के ग्यारहवीं विधानसभा एवं वर्ष 2008 में 13वीं विधानसभा और वर्ष 2018 में 15वीं विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की सरकार रही और इस दौरान तीन बार अशोक गहलोत प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। हालांकि प्रदेश में सर्वाधिक चार बार मुख्यमंत्री रहने का गौरव मोहन लाल सुखाड़िया के नाम हैं जिन्होंने 13 नवंबर 1954 से आठ जुलाई 1971 तक 17 वर्ष राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे।

तालाब में गिरने से मां-बेटे की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनूं जिले के हमीनपुर गांव में एक खेत में बने तालाब (फार्म पॉन्ड) में गिरने से मां-बेटे की मौत हो गई। जबकि उन्हें बचाने कूदी मौसी की हालत गंभीर है। परिवार के सदस्य हनुमान ने बताया कि गुरुवार रात करीब चार साल का कुशांत पुत्र वीरेंद्र सिंह खेलते-खेलते तालाब में जा गिरा। बच्चे को बचाने के लिए उसकी मां प्रेम देवी तालाब में कूद गई। दोनों को डूबता देख बचाने के लिए कुशांत की मौसी भी तालाब में कूद गई। इसकी जानकारी जब घर के अन्य सदस्यों को लगी तो काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाला। तीनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने बच्चे कुशांत और उसकी मां प्रेम देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं मौसी सुशीला देवी पत्नी सचिन कुमार की हालत गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान में सत्ता संघर्ष - जेपी नड्डा और वसुंधरा राजे की डेढ़ घंटे चली बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया की मुलाकात खत्म हो गई है। नड्डा के आवास पर दोनों नेताओं की मुलाकात लगभग डेढ़ घंटे तक चली। बैठक में वसुंधरा राजे के बेटे लोकसभा सांसद दुष्यंत सिंह भी मौजूद रहे। राजस्थान में मुख्यमंत्री पद पर अपनी दावेदारी जताने और आलाकमान पर दबाव बनाने के लिए विधायकों के एक रिजॉर्ट में बाड़ाबंदी करने के आरोपों का सामना कर रहीं वसुंधरा राजे सिंधिया ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात कर अपना पक्ष रखा है।दिल्ली पहुंचीं वसुंधरा राजे ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि वह शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर अपना पक्ष रख सकें। शीर्ष नेताओं की दिनभर व्यस्तता के कारण यह मुलाकात टलती रही और आखिरकार नड्डा ने उन्हें मुलाकात के लिए बुला ही लिया। इससे पहले राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में से एक वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान को अपनी तरफ से सहयोग का संकेत देते हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया था।वसुंधरा ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में हुई भाजपा संसदीय दल की बैठक में सांसदों द्वारा प्रधानमंत्री के किए गए स्वागत और अभिनंदन के वीडियो को शेयर करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा की प्रचंड विजय इस बात का प्रतीक है कि कि मोदी की गारंटी के आगे कांग्रेस के झूठे वादे और दावे नहीं चले। आज संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सांसदों द्वारा शानदार स्वागत।

बहन की शादी में भाई ने की हर्ष फायरिंग, पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर में शादियों में हर्ष फायरिंग करना एक फैशन बनता जा रहा। हालांकि पुलिस भी हर्ष फायरिंग करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई करती है। इसके बावजूद भी लोग गंभीर नहीं है। एक ऐसा ही मामला जिले के उच्चैन पुलिस थाना क्षेत्र के गांव विलानचट्टपुरा से सामने आया है। जहां एक युवक ने अपनी चचेरे बहन की शादी में पिस्टल से दो राउंड फायर किए। शादी समारोह में शरीक लोगो ने यह वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए हर्ष फायरिंग करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस युवक की तलाश में जुट गई है.जानकारी के मुताबिक 5 दिसंबर को गांव विलानचट्टपुरा में मंडोला की पुत्री की शादी थी। शादी में काफी संख्या में लोग मौजूद थे। दुल्हन की विदाई के समय कार में बैठी दुल्हन से उसका चचेरा भाई पिस्टल से हर्ष फायरिंग करवाने का प्रयास करता है। लेकिन दुल्हन से पिस्टल नहीं चल पाने पर खुद युवक पिस्टल से दो राउंड हवाई फायर कर देता है।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है । वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने इसकी जांच की जांच में युवक की पहचान गांव विलानचट्टपुरा निवासी नवीन पुत्र नेमीचंद के रूप में हुई है। हाल में यह विकासपुरी नई दिल्ली में रहता है और गांव में कभी कबार आता है. हर्ष फायरिंग के मामले में पुलिस ने नवीन के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

कार चालक का खुलासा : सुखदेव को गोली मारने वाले शूटरों को सुजानगढ़ छोड़ा, फिर बस से चले गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या करने वाले बदमाश अभी तक फरार हैं। पुलिस ने दोनों बदमाशों रोहित राठौड़ और नितिन फौजी पर पांच-पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस की टीमें बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रहीं हैं, लेकिन हत्यारे अब पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं।

इधर, हत्या के बाद दोनों शूटर रोहित और नितिन जिस कार से फरार हुए थे उसके चालक योगेश शर्मा का बयान सामने आया है। न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए बयान में योगेश ने कहा- मेरी पत्नी का डीडवाना के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। पांच दिसंबर की रात मैं अस्पताल में ही थी। उस दौरान मेरे दोस्त बिट्टू का कॉल आया और उसने दो सवारियों को सुजानगढ़ छोड़ने के लिए कहा, जिस पर मैं तैयार हो गया। पत्नी को अस्पताल से घर छोड़ने के बाद मैं पेट्रोल पंप पर पहुंचा, जहां मुझे दोनों लड़के (नितिन और रोहित) मिले। उन्होंने मुझे 1500 रुपये दिए और कार में बैठ गए।

रात करीब 9 बजे उन्हें लेकर मैं सुजानगढ़ की ओर रवाना हो गया। रास्ते में उन्होंने मुझे हिसार छोड़ने के लिए कहा, लेकिन मैंने मना कर दिया। रात 9:30 बजे के करीब हम सुजानगढ़ बस स्टैंड पहुंचे। जहां वे एक निजी बस में सवार हो गए। रास्ते हुई बातचीत में वे सामान्य लग रहे थे। लेकिन, अगले दिन राजस्थान बंद की खबरें आईं, मैंने न्यूज में देखा तो पता चला कि दोनों युवक वहीं थे जिन्हें मैंने रात को सुजानगढ़ छोड़ा था।

सुखदेव हत्याकांड में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये भी है एक शूटर नितिन फौजी है। वह हिरयाणा के महेंद्रगढ़ के दोगड़ा जाट गांव का रहने वाला है। उसके पिता कृष्ण कुमार भी सेना में रह चुके हैं और उसका बड़ा भी सेना में है। नितिन करीब पांच साल पहले सेना में भर्ती हुआ था। एक साल पहले उसकी पोस्टिंग बहरोड़ में हुई थी। 8 नवंबर को वह दो दिन की छुट्टी पर गांव आया था, अगले दिन घर से चला गया। इसके बाद नितिन वापस घर नहीं पहुंचा। सुखदेव को गोली मारने के बाद उसकी तस्वीर सामने आई तो घर वाले भी हैरान रह गए। वहीं, दूसरे शूटर रोहित के पिता गिरधारी सिंह राठौड़ भी सेना में रह चुके हैं। डेढ़ साल पहले उनकी हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। शूटर रोहित पर नाबालिग से दुष्कर्म करने और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। तीन साल पहले दुष्कर्म के मामले में रोहित जमानत पर छूटा था। रोहित का परिवार कई साल से जयपुर में झोटवाड़ा के जसवंत नगर में रह रहा है। घर पर सिर्फ उसकी मां थीं, सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने उन्हें कहीं और भेज दिया है। इससे पहले उनसे रोहित के बारे में पूछताछ भी की जा चुकी है।

पांच दिसंबर की दोपहर श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की बदमाशों ने उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद से राजस्थान में तनाव के हालात हो गए थे। मंगलवार शाम तक प्रदेश के कई शहरों से प्रदर्शन की खबरें सामने आने लगी थीं। मामला इतना बढ़ा थी बुधवार को राजस्थान बंद रहा। कई जिलो में विरोध- प्रदर्शन हुए। देर रात मांगों पर सहमति बनने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। अगले दिन गुरुवार सुबह जयपुर से सुखदेव की अंतिम यात्रा शुरू हुई और फिर उनके पैतृक गांव पहुंची। शाम पांच के करीब सुखदेव का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा और अंतिम संस्कार में हजारों लोग शामिल हुए।

रोहित और नितिन को पुलिस अब तक गिरफ्तार नहीं कर पाई है। ऐसे में गुरुवार शाम को दोनों शूटरों पर राजस्थान पुलिस ने पांच-पांच लाख का इनाम घोषित कर दिया था। पुलिस दोनों शूटरों की तलाश में जगह-जगह दबिश दे रही है, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है।

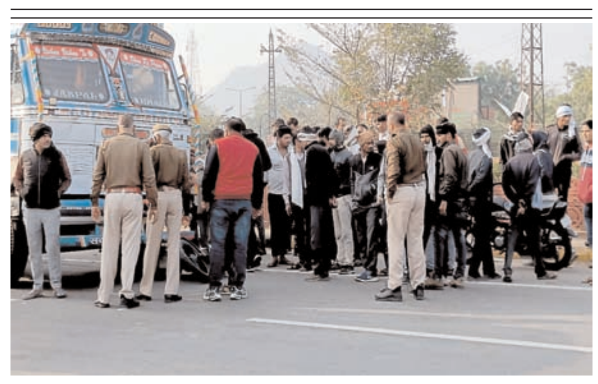

जयपुर आगरा नेशनल हाईवे पर ट्रक ने साइकिल सवार को कुचला, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। जयपुर आगरा नेशनल हाईवे के कलेक्ट्रेट चौराहे पर आज सुबह ट्रक ने एक साइकिल सवार को कुचल दिया। इस हादसे में खान भांकरी निवासी मुकेश मीणा की दर्दनाक मौत हो गई। मुकेश मजदूरी के लिए गांव से बाईपास की ओर जा रहा था। इस दौरान कलेक्ट्रेट चौराहे पर एक बाइक से भिड़ंत के बाद वह ट्रक के नीचे आ गया। ट्रक की चपेट में आने से बाइक व साइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। लेकिन बाइक सवार हादसे में बाल बाल बच गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़े एकत्रित हो गई। पुलिस ने पहुंचकर मुकेश को अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। 5 दिन पहले भी कलेक्ट्रेट चौराहे पर पांचोली के एक युवक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई थी। कलेक्ट्रेट चौराहे पर बढ़ रहे हादसों के बावजूद यहां कोई सेफ्टी के इंतजाम नहीं किए गए हैं। दिन में पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाती है, लेकिन बेकाबू वाहनों पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। वहीं सवारियों को भरने के चक्कर में जयपुर और भरतपुर जाने वाली बसें, अवैध वाहनों में आपाधापी मची रहती है। कलेक्ट्रेट चौराहे पर ही इन दिनों में कई हादसे हो चुके हैं। मुकेश खान भांकरी रोड पर परचून की दुकान करता था। उसके दो बेटे दोसा में निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं। मुकेश की मौत के बाद घर में कोहराम मच गया।

चर्चा

जयपुर में शुक्रवार को पानी की समस्या को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा करती भाजपा विधायक दिया कुमारी।

भूू-वैज्ञानिक का निजी चालक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सवाईमाधोपुर में खनिज विभाग के वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक अजय प्रकाश सिंह के निजी चालक आलोक सिंह को शुक्रवार को एक मामले में 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया । ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि एसीबी की सवाईमाधोपुर इकाई को परिवादी ने शिकायत की कि उसके द्वारा एक्सईएन ऑफिस डिस्कॉम बौली के सरकारी भवन के निर्माण कार्य के लिए डाली गई रवन्नाशुदा बजरी पर पेनल्टी लगाने की धमकी देकर वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक द्वारा कोई कार्यवाही नहीं करने की एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। इस पर ब्यूरो टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद भू-वैज्ञानिक के निजी चालक आलोक सिंह को परिवादी से 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा ने नियुक्त किए पर्यवेक्षक, राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े, सरोज पांडे को सौंपी जिम्मेदारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव जीतने के बाद अब भाजपा में मुख्यमंत्री चेहरे पर नाम फाइनल करने को लेकर कवायद चल रही है। इसको लेकर भाजपा ने आज राजस्थान के लिए तीन नाम का एलान किया गया है। इनमें राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े, सरोज पांडे को राजस्थान पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

चुनाव खत्म होने के बाद से ही भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली ऑफिस में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा की अध्यक्षता में संसदीय बोर्ड की बैठक जारी थी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह भी शामिल रहे। बैठक में तीनों राज्यों में भेजे जाने के लिए पर्यवेक्षक के नाम पर मंथन चल रहा था। आज राजस्थान के लिए तीन नाम का एलान कर दिया गया है। अब राजनाथ सिंह, विनोद तावड़े, सरोज पांडे पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे। इनकी मौजूदगी में राजस्थान में विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें संभावित नामों पर चर्चा के बाद तय किया जाएगा कि प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा।

दरअसल, विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने मुख्यमंत्रियों का नाम साफ नहीं किया था। तीन राज्यों में पार्टी की जीत के बाद मुख्यमंत्री का नाम तय करने की कवायद तेज हो गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में सीएम पद के लिए कई नामों पर चर्चा हो रही थी। अब दिल्ली आलाकमान से तीनों राज्यों के चुनाव पर्यवेक्षकों के नामों का एलान हो गया है। राजस्थान में बीजेपी की जीत के बाद सीएम पद की रेस में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे, बाबा बालकनाथ, सांसद दीया कुमारी, सीपी जोशी, ओम बिरला, भूपेंद्र यादव और गजेंद्र सिंह शेखावत के नामों पर भी चर्चा हो रही है।

बागियों को लेकर भाजपा ने दिल्ली भेजी गोपनीय रिपोर्ट

जयपुर। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को विधायक ललित मीणा के पिता हेमराज मीणा ने उनके पुत्र पर बाड़ेबंदी करने जैसे गंभीर आरोप लगा दिए। वहीं, जानकारी यह भी है कि राजस्थान भाजपा ने बागियों को लेकर एक रिपोर्ट दिल्ली भेजी है, जिसमें 45 नामों का जिक्र किया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि बागियों के चलते करीब 10 से ज्यादा सीटें भाजपा ने खो दी हैं। सूत्रों के मुताबिक भाजपा इन चुनावों में 130 तक सीटें जीतने का अनुमान लेकर चल रही थी, लेकिन 115 सीटें ही मिल पाईं। खास बात ये है कि इनमें से ज्यादातर नाम राजे के समर्थकों के बताए गए हैं। इनमें जयपुर, अलवर, चूरू, नागौर समेत पूर्वी राजस्थान के कुछ अन्य जिले भी शामिल हैं। मौजूदा हालातों में इस वक्त भाजपा पदाधिकारियों और वसुंधरा राजे के बीच सीधे तौर पर टकराव की स्थिति नजर आ रही है। चुनाव नतीजे आने के दूसरे दिन ही राजे ने अपने आवास पर विधायकों को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया था।

मिजोरम सरकार किसानों को प्राथमिकता देगी: मुख्यमंत्री लालदुहोमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद लालदुहोमा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार किसानों और भ्रष्टाचार रोधी उपायों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी।

यहां शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए 73 वर्षीय नेता लालदुहोमा ने कहा कि उनकी सरकार के 12 प्राथमिकता वाले कार्यक्रम अगले 100 दिन में लागू किए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''हमारी जोराम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) सरकार न्यूनतम मूल्य तय करके किसानों से अदरक, हल्दी, मिर्च और सीक वाली झाड़ू जैसे चार स्थानीय उत्पाद खरीदेगी। किसानों के पास अपने उत्पाद स्वयं बेचने या सरकार को बेचने का विकल्प होगा। यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

लालदुहोमा ने कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार रोधी उपायों को भी प्राथमिकता देगी। उन्होंने कहा, राज्य में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सामान्य सहमति दी जाएगी। सरकार इस बात का भी आकलन करेगी कि राज्य के लोकायुक्त को मजबूत करने की जरूरत है या नहीं। उन्होंने अपने कैबिनेट सहयोगियों, विधायकों और उनके रिश्तेदारों, पार्टी कार्यकर्ताओं, गैर सरकारी संगठनों और आम लोगों से राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए सरकार का समर्थन करने का आग्रह किया।

लालदुहोमा ने कहा कि 12 प्राथमिकताओं में से, उनकी सरकार राज्यभर में सभी विकास परियोजनाओं पर नजर रखने के लिए एक निगरानी समिति बनाएगी। उन्होंने कहा कि समिति में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों, मिजोरम कोहरान ह्लुएतुते कमेटी (प्रमुख चर्चों का समूह) और चर्च प्रायोजित चुनाव निगरानी संस्था मिजोरम पीपुल्स फोरम (एमपीएफ) से एक-एक प्रतिनिधि होगा। लालदुहोमा ने कहा कि उनकी सरकार का वार्षिक बजट जेडपीएम की नीतियों पर केंद्रित होगा। उन्होंने कहा, सभी विभागों को जेडपीएम की नीति के अनुरूप बजट तैयार करने का निर्देश दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री अपने विभागों की निगरानी करेंगे।

लालदुहोमा ने कहा कि वह और अन्य मंत्री मितव्ययिता उपायों को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे और उन्हें मिलने वाली सभी सुविधाओं में 50 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनता के पैसे से विधायकों के लिए नई कारें खरीदने की सामान्य परंपरा बंद कर दी जाएगी और मंत्री अपने पूर्ववर्तियों की कारों का इस्तेमाल करेंगे।

भाजपा ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का इस्तीफा मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन भ्रष्टाचार की गारंटी है जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी इसे जड़ से उखाड़ फेंकने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की है।

झारखंड से कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू से जुड़े एक कारोबारी समूह से संबंधित ठिकानों पर केंद्रीय जांच एजेंसियों की छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने मांग की कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है और उन्हें तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा मुख्यालय में उन्होंने कहा, ''नौ अलमारियों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बरामद की गई है। कांग्रेस नेता भ्रष्ट तरीकों से कमाए गए धन से अपनी जेबें भर रहे हैं और यह पैसा गांधी परिवार के पास जाता है।''

हाल के विधानसभा चुनाव परिणामों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई का समर्थन किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल देश और लोगों के अधिकारों को दीमक की तरह खा रहे हैं। भाटिया ने कहा कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं को भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से बड़ी मात्रा में नकदी जब्त की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी सहमति के बिना इतने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार नहीं हो सकता।

दिसंबर के अंत तक तैयार होगा अयोध्या हवाई अड्डा : ज्योतिरादित्य सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अयोध्या में बन रहे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का निर्माण कार्य दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन परियोजना का पहला खंड तीन साल में शुरू होने की उम्मीद है।

मंत्री ने कहा, ''हम अपने पूंजीगत व्यय कार्यक्रम पर बहुत अधिक ध्यान दे रहे हैं... जहां तक हवाई अड्डों का सवाल है, हमारी 95,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना है। इसमें सरकार का हिस्सा लगभग 25 प्रतिशत और निजी क्षेत्र का 75 प्रतिशत होगा।'' उन्होंने 'भारत में बुनियादी ढांचे का समग्र विकास' विषय पर एक सम्मेलन के मौके पर अयोध्या हवाई अड्डे के बारे में पूछने पर कहा कि वह दैनिक आधार पर परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। एक चार्ट बनाया गया है, जिसमें परियोजना में हो रही प्रगति को अंकित किया जाता है। उन्होंने कहा, ''मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि इस महीने के अंत तक यह बनकर तैयार हो जाएगा और जब यह पूरा हो जाएगा तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे।''

सिंधिया ने आगे कहा कि नवी मुंबई में दूसरा हवाई अड्डा और उत्तर प्रदेश में जेवर हवाई अड्डा अगले साल के अंत तक चालू हो जाएगा।

रेलवे क्षेत्र के बारे में उन्होंने कहा कि 2014 के बाद नई उच्च गति वाली वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत के साथ एक बदलाव आया। ये गाड़ी केवल 52 सेकंड में 100 किलोमीटर की गति छू सकती है। सिंधिया ने कहा, ''देश रेल सेवाओं और यात्रियों की सुरक्षा में सुधार जारी रखेगा। तीन साल के भीतर हम (सरकार) भारत में बुलेट ट्रेन लाने जा रहे हैं। भारत रेल सेवा में पहला स्थान हासिल करेगा।''

अखिलेश यादव का कटाक्ष: विपक्षी सांसदों की सदस्यता छीनने के लिए सलाहकार रख ले भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उसे विपक्षी लोगों की सदस्यता छीनने के लिए सलाहकार नियुक्त करने की सलाह दी।

'एक्स' पर एक पोस्ट में, अखिलेश यादव ने किसी का नाम लिए बिना कहा,'सत्ताधारी दल विपक्ष के लोगों की सदस्यता लेने के लिए किसी सलाहकार को रख ले, जिससे मंत्रियों एवं सत्ता पक्ष के सासंदों और विधायकों का समय षड्यंत्रकारी गतिविधियों में न लगकर लोकहित के कार्यों में लगे। जिन आधारों पर सांसदों की सदस्यता ली जा रही है, अगर वही आधार सत्ता पक्ष पर लागू हो जाएं तो शायद उनका एक दो सांसद-विधायक ही सदन में बचेगा। कुछ लोग सत्ता पक्ष के लिए सदन से अधिक सड़क पर घातक साबित होते हैं।' सपा प्रमुख का यह पोस्ट तब आया जब तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा को शुक्रवार को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया । तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में शुक्रवार को लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट के आधार पर 'अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण' के लिए सदन की सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया। महुआ मोइत्रा लोकसभा में पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती थीं।

व्यास जी के तहखाना मामले में अपील पर फैसला 11 दिसंबर को

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने को जिलाधिकारी को सौंपने के मामले में एक वकील के पक्षकार बनने की अपील पर आदेश सुनाने के लिए 11 दिसंबर की तिथि तय की है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने शुक्रवार को बताया कि व्यास जी के तहखाने की चाबी जिलाधिकारी को सौंपने के मामले में अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी के पक्षकार बनने की अपील पर पिछले सोमवार को सुनवाई पूरी करते हुए अदालत ने आदेश को शुक्रवार के लिए सुरक्षित रख लिया था। उन्होंने कहा कि लेकिन एक अधिवक्ता के निधन पर आज कचहरी परिसर में शोक होने की वजह से सुनवाई नहीं हो सकी, जिला जज ने इस मामले में आदेश सुनाने के लिए 11 दिसंबर की तिथि तय की है। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी परिसर स्थित व्यास जी के तहखाने की चाबी जिलाधिकारी को सौंपने के मामले में अधिवक्ता विजय शंकर रस्तोगी ने एक प्रार्थना पत्र देते हुए खुद को इस मामले में पक्षकार बनाए जाने और उन्हें सुनने की अपील जिला जज ए के विश्वेश से की थी।

यादव ने बताया कि इससे पूर्व, अधिकारियों ने 'व्यास जी का तहखाना' की 1993 में घेराबंदी कर दी थी। इससे पूर्व, यह तहखाना पूजा-पाठ के लिए पुजारी सोमनाथ व्यास द्वारा उपयोग किया जाता था। उन्होंने बताया कि सोमनाथ व्यास के नाती शैलेन्द्र कुमार पाठक ने इस वर्ष सितंबर में सिविल जज सीनियर डिवीजन नितेश कुमार सिन्हा की अदालत में व्यास जी के तहखाने पर मुस्लिम पक्ष के कब्जे की आशांका जताते हुए तहखाने को जिलाधिकारी को सौंपने सम्बंधित वाद दाखिल किया था।

असम सरकार एक लाख लोगों को नौकरी देने के लक्ष्य के करीब: हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के एक लाख बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के लक्ष्य के करीब है।

एक समारोह में शर्मा ने 839 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपे, जिसके बाद अब तक प्रदान की गई नौकरियों की कुल संख्या 88,080 हो गई है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, हम बिना भ्रष्टाचार के एक लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने के अपने लक्ष्य को पार करेंगे। नियुक्ति पत्र प्रदान करने के लिये आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र में नियमित रोजगार के अलावा, कई युवा स्वरोजगार के अवसर खोजने में भी कामयाब रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले कुछ वर्षों में कई मोर्चों पर तेजी से विकास हो रहा है और इसका कारण निवेश का बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा, 2016 में राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र में निवेश 42,000 करोड़ रुपये था, जबकि अब यह बढ़कर 1,30,000 करोड़ रुपये हो गया है।

अलीगढ़ मुस्लिम विवि ने अवैध कब्जाधारकों के खिलाफ अभियान छेड़ा

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) ने विभिन्न छात्रावासों में अवैध रूप से काबिज लोगों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता उमर पीरजादा ने बताया कि यह अभियान बृहस्पतिवार की शाम को शुरू किया गया। उनका कहना था कि यह बड़े सफाई अभियान की महज शुरुआत है और जब तक ऐसे अवैध तत्वों से परिसर को मुक्त नहीं कर दिया जाता, यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कुलपति द्वारा एक उच्च स्तरीय बैठक की गई जिसमें सभी वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उनके अनुसार यह बैठक परिसर में कानून व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने के लिए बुलाई गई थी। इससे पूर्व, बुधवार शाम परिसर में गोलीबारी की घटना घटी थी जिसमें अनीगा रोशन खयाल नाम की मेडिकल की छात्रा घायल हुई थी।

भाजपा सरकार में दलितों वं आदिवासियों के खिलाफ अपराध बढ़े: खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं तथा एनसीआरबी की रिपोर्ट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का काला चिट्ठा है।

खरगे ने 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में एक रिपोर्ट साझा की जिसमें कहा गया है कि 2013 के बाद से दलितों के खिलाफ अपराधों में 46.11 प्रतिशत और आदिवासियों के खिलाफ अपराधों में 48.15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो केवल आंकड़ें मात्र नहीं हैं, एससी-एसटी समाज के जीवन को असुरक्षित बनाने का भाजपाई काला चिट्ठा है। अन्याय, अत्याचार और दमन, पिछले एक दशक से भाजपा द्वारा समाज को बांटने के षड्यंत्रकारी एजेंडे का हिस्सा है।''

खरगे ने दावा किया कि दलितों और आदिवासियों का लगातार होता उत्पीड़न भाजपा एवं आरएसएस के सबका साथ वाले महाढोंग का पर्दाफ़ाश करता है।

राज्यपालों की नियुक्ति का अधिकार राज्यों को मिले: माकपा सदस्य शिवदासान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य वी शिवदासान ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि 'लोगों की इच्छा' का सम्मान करते हुए राज्यों को राज्यपाल नियुक्त करने का अधिकार देने के लिए संविधान में संशोधन करने की जरूरत है।

कुछ विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपाल और राज्य सरकारों के बीच जारी टकराव के बीच राज्यसभा में शिवदासान की ओर से पेश किए गए एक निजी विधेयक पर चर्चा हुई, जिसमें राज्यपालों की भूमिका और शक्तियों को परिभाषित करने के लिए संविधान में संशोधन करने की मांग की गई है। शिवदासान ने पिछले साल यह विधेयक पेश किया था और अपनी बात रखी थी लेकिन वह चर्चा अधूरी रह गई थी। चर्चा को आज आगे बढ़ाते हुए शिवदासान ने कहा कि विपक्ष शासित राज्यों में नियुक्त किए गए राज्यपाल केंद्र सरकार के 'टूल' के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में केंद्र व राज्यों की शक्तियों का बंटवारा किया गया है लेकिन केंद्र सरकार राज्यों की शक्तियों में हस्तक्षेप कर रही है और राज्यपाल इसके साधन बन रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राज्यों में तो राज्यपाल राज्य की विधानसभा की ओर से पारित विधेयकों पर कुंडली मारकर बैठ जाते हैं जो कि राज्य के हित में नहीं है। उन्होंने कहा, ''यह बहुत महत्वपूर्ण विधेयक है। यह जनहित में है कि राज्यपाल के पद पर नियुक्ति केंद्र सरकार की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नहीं की जाए, बल्कि राज्य द्वारा ही की जानी चाहिए। लोगों की इच्छा का सम्मान किया जाना चाहिए।'' वामपंथी नेता ने कहा कि सहकारी संघवाद राष्ट्र के मूल ढांचे के साथ-साथ संविधान का भी हिस्सा है। शिवदासान ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर राज्यों की शक्ति को कम करने के लिए चौबीसों घंटे काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, 'इन सब में राज्यपाल केंद्र सरकार के एजेंडे को लागू करने का एक साधन बन गए हैं।''

पूर्व भारतीय गोलकीपर सुब्रत पॉल ने संन्यास लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारत के महान गोलकीपरों में से एक सुब्रत पाल ने शुक्रवार को खेल से संन्यास लेने का फैसला किया जिससे उनके 16 साल के करियर का अंत हो गया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एक्स पर पोस्ट किया, ''शुक्रिया स्पाइडरमैन। ब्लू टाइगर्स के गोलकीपर ने आज संन्यास ले लिया।'' पॉल ने 2007 में लेबनान के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में पदार्पण किया था और भारत के लिए 65 मैच खेले। उन्हें दोहा में 2011 एशियाई कप में दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ शानदार गोलकीपिंग के लिए 'स्पाइडरमैन' पुकारा जाने लगा जिसमें भारत ने 27 साल के बाद क्वालीफाई किया था। पॉल ने पूरे टूर्नामेंट में 35 से ज्यादा प्रयासों को विफल किया था तब से वह टीम के स्टार खिलाड़ियों में शामिल हो गये। दक्षिण कोरिया ने गोल में 20 शॉट लगाये थे और पॉल ने 16 का बचाव किया था जिसके बाद भारत 1-4 से हार गया था।

कोई भी कोच मो. शमी जैसा गेंदबाज नहीं बना सकता: म्हाम्ब्रे

(कुशान सरकार)
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि मोहम्मद शमी के पास हर बार गेंद को सीधी सीम में डालने की दुर्लभ प्रतिभा है और दुनिया का कोई भी कोच इस तरह की तेज गेंदबाजी करने वाला गेंदबाज तैयार नहीं कर सकता।

वनडे विश्व कप के सात मैच में 24 विकेट चटकाकर गेंदबाजी सूची में शीर्ष पर रहने वाले शमी वनडे और टेस्ट में भारत के बेहतरीन गेंदबाज रहे हैं। म्हाम्ब्रे शमी की सफलता के लिए कोई श्रेय नहीं लेना चाहते। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को मोहम्मद शमी जैसी प्रतिभा वाला गेंदबाज मिलेगा? तो उन्होंने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए रवाना होने से पहले पीटीआई से साक्षात्कार में कहा, ''अगर मैं कहूं कि कोच शमी जैसा गेंदबाज बना सकते हैं तो यह सच नहीं होगा। अगर कोई गेंदबाज हर बार सीधी सीम में गेंद को डाल सकता तो दुनिया का हर गेंदबाज शमी बन जायेगा। '' उन्होंने कहा, ''यह ऐसा कौशल है जो शमी ने कड़ी मेहनत के दम पर हासिल किया है और खुद को ऐसा गेंदबाज बनाया है। '' म्हाम्ब्रे ने कहा, ''सीम पर ही एक के बाद एक गेंद फेंकना और वो भी परफेक्ट कलाई पॉजिशन के साथ तथा इसे दोनों तरफ घुमाना एक दुर्लभ प्रतिभा है। काफी गेंदबाज अगर सीम पर गेंद डाल भी पाते हैं तो उनकी गेंद पिच पर लगते ही सीधी हो जाती है। '' पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के बारे में भी इसी तरह की बात करते हुए कहा, ''यहां तक कि बुमराह का एक्शन असमान्य है लेकिन वह गेंद को इसी एक्शन से अंदर या दूर कर देता है। यह एक कला है और इस कला का पारखी होने में काफी कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। '' शमी और बुमराह दुनिया भर के बल्लेबाजों पर दबदबा बनाने में सफल रहे हैं जिससे म्हाम्ब्रे काफी हैरान हैं। उनकी सफलता से काफी को ईर्ष्या भी होगी। म्हाम्ब्रे ने कहा, ''मुझे लगता है कि टेस्ट मैचों में हमारे पास बुमराह, शमी और ईशांत (शर्मा) थे जिन्होंने इस तरह का जादू बिखेरा था लेकिन अगर अब आप मुझे पूछोगे कि क्या मैंने इस तरह के दबदबे की उम्मीद की थी तो मैंने इस स्तर के प्रदर्शन का सपना भी नहीं देखा था। ''

दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी एक प्रक्रिया है, अभी ध्यान पूर्ण फिटनेस हासिल करने पर: डुप्लेसी

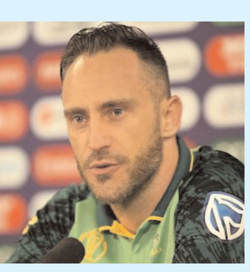

बेंगलुरु/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसी के सामने राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का विकल्प है लेकिन इस पर गंभीरता से विचार करने से पहले वह पूर्ण फिटनेस हासिल करना चाहते हैं। दक्षिण अफ्रीका के कोच रॉब वाल्टर ने हाल में संकेत दिए थे कि डुप्लेसी, क्विंटन डिकॉक और रिली रोसो जैसे सीनियर पेशेवर खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में वापसी के दरवाजे खुले हुए हैं।

डुप्लेसी ने सितंबर में अपनी एक कोहनी का ऑपरेशन करवाया था और इसलिए ऐसी किसी संभावना पर विचार करने से पहले वह पूरी तरह फिट होना चाहते हैं। डुप्लेसी ने कहा,''मैं यह नहीं कहूंगा कि इसके (दक्षिण अफ्रीका टीम में वापसी) लिए प्रक्रिया नहीं चल रही है। मेरे कहने का मतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अब भी इस खेल का चरम है। आपको अब भी यह महसूस होता है कि यही वह मुकाम है जहां क्रिकेट में आपको सबसे अधिक दबाव महसूस होता है और जहां आप एक खिलाड़ी के रूप में जीवंत महसूस करते हैं।'' उन्होंने कहा,''अभी मैंने ऑपरेशन के बाद क्रिकेट में वापसी की है। अभी मैं किसी तरह का दबाव नहीं ले रहा हूं और वास्तव में फिर से क्रिकेट का आनंद उठा रहा हूं तथा अपने हाथ को पहले वाली स्थिति में लाने के लिए प्रयासरत हूं।''

आईसीसी ने विश्व कप फाइनल की पिच को औसत करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की उस पिच को औसत करार दिया है जिस पर 19 नवंबर को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप का फाइनल खेला गया था।

आईसीसी मैच रेफरी और जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज एंडी पाइक्रॉफ्ट ने हालांकि मैदान की आउटफील्ड को बहुत अच्छा करार दिया।

जिस पिच पर फाइनल खेला गया वह काफी धीमी थी। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में भारत को छह विकेट से हराकर खिताब जीता था। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में केवल 240 रन बना पाई। ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने 120 गेंद पर 137 रन की लाजवाब पारी खेली। भारत लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रमशः कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद और चेन्नई की जिन पिचों पर खेला था, आईसीसी ने उन्हें भी औसत करार दिया है।।

भारत ने सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम कि जिस पिच पर न्यूजीलैंड का सामना किया था, आईसीसी ने उसे 'अच्छी' रेटिंग दी है। इस मैच से पहले हालांकि मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि कि भारत ने पिच बदलवा दी थी और यह मैच नई पिच के बजाय पहले इस्तेमाल की गई पिच पर खेला गया था। आईसीसी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस की उस पिच को भी औसत करार दिया है जिस पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला गया था।

इस कम स्कोर वाले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 49.4 ओवर में 212 रन पर समेट दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद 47.2 ओवर में सात विकेट होकर लक्ष्य हासिल किया था। आईसीसी के मैच रेफरी और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने हालांकि ईडन गार्डंस की आउटफील्ड को बहुत अच्छा करार दिया। आईसीसी के अनुसार किसी पिच को औसत रेटिंग तब दी जाती है जबकि उसमें कम उछाल हो और 'सीम मूवमेंट' भी कम हो और गेंद रुक कर बल्ले पर आ रही हो। ऐसी पिच जिस पर हल्का टर्न हो लेकिन स्पिनरों को पर्याप्त उछाल नहीं मिल रहा हो।

सुविचार

इंसान जिंदगी में गलतियाँ करके उतना दुखी नहीं होता है, जितना कि वह बार-बार उन गलतियों के बारे में सोच कर होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अरमानों की चक्की

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का लोकसभा में यह बयान कि 'शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या की घटनाएं दु:खद हैं और इसके लिए पूरे सभ्य समाज की जिम्मेदारी बनती है', अत्यंत प्रासंगिक है। निस्संदेह शिक्षण संस्थानों और सर्वसमाज को इस समस्या की ओर ध्यान देकर ठोस समाधान के उपाय तलाशने होंगे। प्रधान ने ऐसी घटनाओं का दायित्व व्यक्तिगत तौर पर और शिक्षा मंत्री के तौर पर भी लिया, जो बताता है कि वे ऐसे मामलों के प्रति काफी संवेदनशीलता का दृष्टिकोण रखते हैं। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी कई घटनाएं हुईं, जब विद्यार्थियों ने विभिन्न कारणों से शिक्षण संस्थानों, छात्रावासों या अन्य जगहों पर आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम उठाया। चिकित्सा और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए देश-दुनिया में मशहूर कोटा शहर में एक के बाद एक ऐसी घटनाएं हुईं, जिन्होंने संबंधित बच्चों के अभिभावकों और साथियों की आंखें नम कर दीं। इसके बाद स्थानीय प्रशासन ने बच्चों पर पढ़ाई के दबाव को कम करने और तनाव से निपटने के लिए कई कदम उठाए, लेकिन अफसोस की बात है कि अब भी हर महीने ऐसी कोई घटना सामने आ जाती है। आज प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा हो गई है। पढ़ाई हो या नौकरी, हर कहीं एक ऐसी दौड़ है, जिसका कोई अंत नजर नहीं आता है! क्लास टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन करने का दबाव, परीक्षा में अव्वल आने का दबाव। जब इनसे फुर्सत मिलती है तो प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव, जहां एक-एक पद के लिए सैकड़ों लोग कतार में हैं। अगर मनचाही रैंक मिल गई तो उससे बड़ी परीक्षा का तनाव, अगर न मिली तो उसका तनाव। परिजन, पड़ोसी, दोस्त, रिश्तेदार ... उस विद्यार्थी से सबकी अपनी-अपनी आकांक्षाएं हैं। इन सबके बीच कोमल युवा मन खुद को अरमानों की चक्की में पिसता महसूस करता है, लेकिन व्यवस्था को बदलने के लिए वह कुछ कर नहीं पाता। वह सिर्फ इतना कर सकता है कि और तैयारी करे ... और पढ़े ... और टेस्ट दे ... देता रहे ... देता रहे!

आखिर हमने अपनी युवा शक्ति को किस चक्रव्यूह में डाल दिया है? निस्संदेह पढ़ाई बहुत जरूरी है और सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए धन भी चाहिए, लेकिन आज भी समाज का रवैया उन विद्यार्थियों के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं है, जो किसी कारणवश परीक्षा में सफल नहीं हो पाते। निस्संदेह मेरिट में आने वाले बच्चे प्रतिभाशाली होते हैं, लेकिन उन बच्चों में भी कोई प्रतिभा जरूर होती है, जो उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाए, जिसे ज़माना 'कामयाबी' कहता है। कुदरत ने सबको अलग-अलग खूबियों से नवाजा है। हमारी शिक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जो हर बच्चे में मौजूद उस खूबी की पहचान करे और भविष्य में उसे उस रास्ते पर जाने के लिए प्रोत्साहित करे, जिसके लिए वह बना है। हो सकता है कि आज जिस बच्चे को बहुत सख्ती से त्रिकोणमिति के सूत्र रटाए जा रहे हैं, उसमें मशहूर शेफ बनने की काबिलियत हो ... आज जो देर रात तक इतिहास की तिथियां कंठस्थ कर रहा है, उसमें भविष्य का उद्योगपति छिपा हो ... आज जो बुझे मन से विज्ञान के सिद्धांतों में खोया हुआ है, वह भविष्य में बेहतर फैशन डिजाइनर बनने की योग्यता रखता हो ...! शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थी के अंतर्मन में छिपी शक्ति से साक्षात्कार कराए, न कि उसे इतना तनाव में डाल दे कि जान पर ही बन आए! स्कूली पढ़ाई के दौरान अच्छा नागरिक बनने, जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना करने, स्वावलंबी बनने जैसी बातें सिखाई जाएं। कम से कम कोई एक हुनर जरूर सिखाया जाए, ताकि वह बच्चा भविष्य में नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बने। बच्चों को 'कामयाबी' का असल मतलब समझाना चाहिए। अथाह पैसा, शानदार बंगला, महंगी गाड़ी, चकाचौंध भरी ज़िंदगी ... इसी का नाम कामयाबी नहीं है। अगर आप ईमानदारी से काम कर रहे हैं, निर्वाह करने में सक्षम हैं और अपने जीवन में खुश हैं, तो यह बहुत बड़ी कामयाबी है। क्षणिक भावावेश में आकर ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए, जो बाद में परिवार व साथियों के लिए दु:ख का कारण बने।

ट्वीटर टॉक

मेक इन इंडिया' की तरह एक मूवमेंट चलना चाहिए 'वेड इन इंडिया', शादी हिंदुस्तान में करो। मैं तो चाहूंगा आने वाले पांच साल में अपने परिवार की एक डेस्टिनेशन शादी उत्तराखंड में करिए। एक साल में 5 हजार शादियां भी यहां होने लग जाएं तो एक नया इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा हो जाएगा।

-नरेन्द्र मोदी

हिंदी भाषी क्षेत्र के मतदाताओं को अपशब्द कहना और उनका अपमान करना कांग्रेस और घमंडिया ठग बंधन की राजनीति का हिस्सा बन चुका है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव और उनके नतीजों से कांग्रेस और घमंडिया ठगबंधन का सच सामने आ गया है।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी और भारत के विकास का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतीक के साथ एक सेल्फी क्लिक करें और 'हमारा संकल्प, विकसित भारत' के संकल्प को दोहराकर एक विकसित राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करें।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

तृष्णा से मुक्त होना

हम में से प्रत्येक व्यक्ति संसार से मुक्त होने की इच्छा रखता है, लेकिन अपनी तृष्णाओं से मुक्त नहीं होता, उससे घिरा रहता है। जब तक ये हमारे भीतर जीवित हैं, हम संसार से मुक्त नहीं हो सकते। इससे मुक्त होकर इस संसार से जाने पर दोबारा जन्म नहीं होता। वास्तव में तृष्णा से मुक्त होना ही संसार से मुक्त होना है तुम अहंकार की ऊंचाइयों पर उठे और वहां भी तुमने भीतर क्षुद्रता का ही वास पाया। तुम महलों में रहे, लेकिन तुम्हारे भीतर की वासना का भिखमंगापन नहीं मिटा। तुमने सब कमाया और तुमने पाया कि सब कमाना अपने को गंवाना है। बुद्ध निरंतर कहते हैं कि तुम तृष्णा से मुक्त हो जाओ, तुम संसार से मुक्त हो गए। तुम कोई कामना नहीं करो कि यह मुझे पूरा करना है। तुम जैसे हो वैसे होने से राजी हो जाओ, फिर तुम्हारा कोई जन्म नहीं होगा। तुम जहां हो वहीं ऐसे तृप्त हो जाओ जैसे मंजिल पर हो। कोई यात्रा नहीं है करने की, कहीं जाना नहीं है। जो पा लिया, वह काफी से काफी है। जो मिल गया, वह पर्याप्त से ज्यादा है। जो हो गया, उससे ज्यादा का कोई खयाल नहीं है। तब तुम्हें कैसे जन्म मिल सके गा? तब तुम पूरे होकर मरोगे।

सामयिक

भाजपा के निशाने पर अब लोकसभा चुनाव

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों का परिणाम आने व हिंदी बेल्ट के तीन राज्यों मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में शानदार जीत के साथ भाजपा ने 2024 की चुनावी जंग का बिगुल अभी से फूंक दिया। भाजपा हमेशा चुनावी मोड पर रहती है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हाल ही कोलकाता धर्मतला में एक रैली को संबोधित कर शुरुआत कर दी और इसी के साथ भाजपा एनडीए के तले सहयोगियों का कुनबा बढ़ाने में भी जुटी है। भाजपा को मोदी की अगुवाई में पार्टी को पिछले दो लोकसभा चुनाव में भारी जीत मिली थी। उस सिलसिले को बरकरार रखने और जीत की हैट्रिक बनाने की चुनौती अब भाजपा के सामने 2024 में है। ये बात सही है कि 2019 में विपक्ष उस तरह से एकजुट नहीं था, जिसकी तैयारी इस बार चल रही है। उसके साथ ही जिस तरह से 2019 में भाजपा मजबूत दिख रही थी, वैसी मजबूत स्थिति में इस बार नहीं है।

विपक्ष के मुकाबले भाजपा की स्थिति तो मजबूत है, लेकिन पिछले दो चुनावों में खुद की बदौलत बहुमत हासिल करने वाली भाजपा के लिए 2024 में ऐसा करना उतना आसान नहीं दिख रहा है। एक तो लगातार 10 साल से सत्ता में होने की वजह से भाजपा के सामने 'एंटी इंकम्बेंसी' यानी सत्ता विरोधी लहर की चुनौती है। दूसरी तरफ अगर विपक्षी दलों का गठबंधन बन गया तो, वन टू वन मुकाबले की वजह से देश के कई सीटों पर भाजपा की राह उतनी आसान नहीं होगी, जैसी 2014 और 2019 में थी। इन तस्वीरों और हालात को देखते हुए भाजपा अपने गठबंधन एनडीए को मजबूत करने में जुटी हुई है। इसी कवायद के तहत 18 जुलाई को एनडीए की बैठक रखी गई थी। जिसमें भाजपा का दावा है कि 38 पार्टियां हिस्सा लिया था और उसके बाद पंजाब में शिरोमणि अकाली दल को भी दोबारा एनडीए के साथ में जोड़ने की बातचीत जारी है। गौरतलब है कि पिछले लोकसभा चुनाव के मुकाबले 2024 में हालात बदले हुए रहेंगे। 2014 के मुकाबले 2019 में तो भाजपा की जीत और भी बड़ी थी। ऐसे तो भाजपा एनडीए के तले चुनाव लड़ रही थी, लेकिन दोनों ही चुनावों में भाजपा को अपने बदौलत ही बहुमत हासिल हो गया। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को खुद की बदौलत बहुमत से 10 सीटें ज्यादा यानी 282 सीटों पर जीत मिल गई। ये भाजपा के लिए तो पहला मौका था ही, जब उसे केंद्र में खुद से बहुमत हासिल हो गया था। ये ऐतिहासिक भी इस लिहाज से था कि 1984 के बाद यानी 3 दशक के बाद किसी पार्टी ने अपनी क़ुव्वत पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने का कारनामा किया था। एनडीए की बात करें तो 2014 में जीत का आंकड़ा 543 में से 336 सीटों पर पहुंच गया।

जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा एक कदम और आगे बढ़ गई। उसने पहली बार 300 का आंकड़ा पार कर लिया। भाजपा को 303 सीटों पर जीत मिली। उसके वोट शेयर में भी 2014 के मुकाबले भारी उछाल दर्ज हुई। 2014 में भाजपा को 31 प्रतिशत वोट मिले थे, जो 2019 में 6.36 प्रतिशत बढ़कर 37.36 प्रतिशत पहुंच गया। 2019 में अगर एनडीए की बात करें तो इस गठबंधन के खाते में 353 सीटें आ गई। इन दोनों चुनावों पर नज़र डालें तो भाजपा 2019 में अपनी 21 सीटें बढ़ाने में कामयाब रही, वहीं उसकी अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन की 17 ही सीटें बढ़ीं। ये आंकड़े बताते हैं कि 2019 में एनडीए के बाकी दलों के मुकाबले भाजपा के प्रदर्शन में ज्यादा सुधार दिखा था। नरेंद्र मोदी 30 मई 2019 को दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2014 से लेकर अब तक भाजपा ने आर्थिक मोर्चे से लेकर अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की तस्वीर बदलने वाले नेता के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पेश किया है। 2024 में भी प्रधानमंत्री मोदी ही भाजपा के चेहरे होंगे। हालांकि भाजपा के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है कि क्या वो नरेंद्र मोदी के नाम पर लगातार 3 लोकसभा चुनाव जीतने का कारनामा कर उस रिकॉर्ड की बराबरी कर पाएगी, जो देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास है। तीन लोकसभा चुनाव तो कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के नाम से भी जीती थी, लेकिन लगातार ये कारनामा करने का रिकॉर्ड अब तक सिर्फ़ जवाहरलाल नेहरू के नाम ही दर्ज है। पर हाल के विधानसभा चुनावों को भी मोदी के नाम व चहरे पर लड़ा गया व जीत हासिल की गई उससे पार्टी उत्साहित है।

आगामी लोकसभा चुनाव में सत्ता विरोधी लहर की चुनौती तो बड़ी होगी ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भाजपा ने पिछले दो कार्यकाल में उम्मीदों का जो पहाड़ बनाया है, उसकी वजह से भी उसके ऊपर दबाव बढ़ गया है। विपक्षी गठबंधन को मूर्त रूप मिलने से भी भाजपा की परेशानी बढ़ेगी, इसकी भी पूरी संभावना है। इन चुनौतियों के साथ ही जिन राज्यों में 2019 में भाजपा का प्रदर्शन अभूतपूर्व रहा था, उन प्रदेशों में 2024 में वैसा ही कारनामा करना अब भाजपा के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ये सारी बातें मिलकर भाजपा के लिए आशंका पैदा कर रहे हैं कि क्या पार्टी का प्रदर्शन 2019 के जैसा रहेगा।

> **आगामी लोकसभा चुनाव में सत्ता विरोधी लहर की चुनौती तो बड़ी होगी ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर भाजपा ने पिछले दो कार्यकाल में उम्मीदों का जो पहाड़ बनाया है, उसकी वजह से भी उसके ऊपर दबाव बढ़ गया है। विपक्षी गठबंधन को मूर्त रूप मिलने से भी भाजपा की परेशानी बढ़ेगी, इसकी भी पूरी संभावना है। इन चुनौतियों के साथ ही जिन राज्यों में 2019 में भाजपा का प्रदर्शन अभूतपूर्व रहा था, उन प्रदेशों में 2024 में वैसा ही कारनामा करना अब भाजपा के लिए आसान नहीं रहने वाला है। ये सारी बातें मिलकर भाजपा के लिए आशंका पैदा कर रहे हैं कि क्या पार्टी का प्रदर्शन 2019 के जैसा रहेगा।**

भाजपा की आशंका और नुकसान के डर की संभावना को समझने के लिए कुछ राज्यों में एनडीए के बाकी हिस्सेदार दलों को छोड़कर सिर्फ़ भाजपा के पिछले प्रदर्शन पर नजर डालनी होगी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने 300 का जो आंकड़ा पार किया था उसमें उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और कर्नाटक के साथ ही महाराष्ट्र, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे लोकसभा सीटों के नजरिए से बड़े राज्यों की काफी महत्वपूर्ण भूमिका थी। इन 8 राज्यों में भाजपा का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। इन 8 राज्यों में कुल 318 लोकसभा सीटें आती हैं। भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में इन 318 में 223 सीटों पर जीत मिली थी। इन 8 राज्यों में अगर 6 राज्य छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा, उत्तराखंड, असम और दिल्ली मिला दें तो इन 14 राज्यों में कुल लोकसभा सीटों की संख्या 379 हो जाती है। भाजपा को 2019 में इन 379 में से 275 सीटों पर जीत मिली थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि यहीं वो 14 राज्य थे, जहां भाजपा ने पिछले चुनाव में जबरदस्त प्रदर्शन कर एनडीए के तमाम सहयोगियों की सरकार बनाए रखने में मौजूदगी का महत्व खत्म कर दिया था।

इन राज्यों में 2019 के नतीजों और अबकी बार बदले समीकरण ही वो कारण है जो भाजपा को डरा रहा है। अगर सबसे बड़े प्रदेश उत्तरप्रदेश की बात करें तो ये भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। 2014 में भाजपा उत्तरप्रदेश की 80 में से 71 सीटों पर कब्जा करने में कामयाब रही थी और 2019 में यहां 62 सीटों पर कमल का परचम लहराया था। ये फिलहाल भाजपा का सबसे मजबूत किला और केंद्र की सत्ता तक पहुंचाने में सबसे कारगर राज्य रहा है और 2024 में भी भाजपा इसे जारी रखना चाहेगी। लेकिन विपक्षी गठबंधन के तहत अगर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ती है तो भाजपा के लिए पिछला प्रदर्शन दोहराना आसान नहीं है।

अगर इस विपक्षी गठबंधन में मायावती शामिल हो जाती हैं, फिर ज्यादातर सीटों पर वन टू वन फॉर्मूले के मुताबिक लड़ाई होने से भाजपा के लिए उत्तरप्रदेश में 60 से ज्यादा सीटें जीतना बेहद मुश्किल होगा। हालांकि मायावती के विपक्षी गठबंधन में शामिल होने की संभावना बेहद क्षीण नजर आ रही है। इसके बावजूद 2019 के बाद उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की पकड़ पहले से बढ़ी है, जिसकी झलक 2022 के विधानसभा चुनाव में देखने को मिली थी। इस चुनाव में भाजपा को 57 सीटों नुकसान उठाना पड़ा था, जबकि समाजवादी पार्टी को 64 सीटों का फायदा मिला था। गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और छत्तीसगढ़ ये कुछ ऐसे राज्य हैं, जहां भाजपा की नजर शत-प्रतिशत सीटों पर रहती है। इन राज्यों में कमोबेश भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस के साथ ही रहते आया है और 2024 में भी रहने की संभावना है। हालांकि इन राज्यों गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और छत्तीसगढ़ में हालिया चुनाव में भाजपा का शानदार प्रदर्शन रहा जिससे भाजपा की उम्मीद बरक़रार है।

विशेष

भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष थे राजाजी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

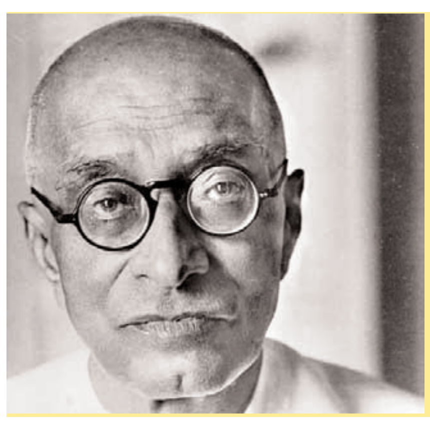

> **वर्ष 1954 में भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले राजाजी को भारतरत्न से सम्मानित किया गया। जो गहराई और तीखापन उनके बुद्धि चातुर्य में था, वही उनकी लेखनी में भी था। वे तमिल और अंग्रेजी के बहुत अच्छे लेखक थे। गीता और उपनिषदों पर उनकी टीकाएं प्रसिद्ध हैं। नशाबंदी और स्वदेशी वस्तुओं विशेषकर खादी के प्रचार-प्रसार में उनका योगदान महत्वपूर्ण माना जाता है। अपनी वेशभूषा से भारतीयता के दर्शन कराने वाले इस महापुरुष का 28 दिसंबर 1972 को देहांत हो गया।**

भारतीय राजनीति का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है चक्रवर्ती राजगोपालाचारी, जो उस युग के नहीं, बल्कि किसी भी युग के महान व्यक्तियों की गिनती में आते हैं। अपनी जिन्दगी में उन्होंने सत्य, राष्ट्रीयता एवं ज्ञान के प्रचार का काम किया, जिनसे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, दार्शनिक के साथ-साथ युग को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं। उनकी उपलब्धियों के वैराट्य को देखते हुए उनको दी गयी राजाजी' की उपाधि उचित है। उन्हें भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष कहा जाता है। वे प्रसिद्ध वकील, लेखक और दार्शनिक थे। वे पहले भारतीय गर्वनर जनरल थे। महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, गांधीवादी राजनीतिज्ञ चक्रवर्ती राजगोपालाचारी को आधुनिक भारत के इतिहास का 'चाणक्य' माना जाता है। सत्य को अपने आचरण में जीने वाले लोग सदियों से धरती पर न सही, लेकिन इतिहास में सदा अमर रहे हैं और राजगोपालाचारी उन्हीं में से एक थे।

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी का जन्म 10 दिसंबर 1878 को तमिलनाडु के सेलम जिले के होसूर के पास धोरापल्ली नामक गांव में हुआ। वैष्णव ब्राह्मण परिवार में जन्मे चक्रवर्तीजी के पिता नलिन चक्रवर्ती थे, जो सेलम न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर कार्यरत थे। राजगोपालाचारी की प्रारंभिक शिक्षा गांव के ही स्कूल में हुई। इंटरमीडिएट परीक्षा बेंगलूरु के सेंट्रल कॉलेज से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने वकालत भी की। योग्यता और प्रतिभा के बल पर उनकी गणना सेलम के प्रमुख वकीलों में की जाने लगी। चक्रवर्ती पढ़ने-लिखने में तेज तो थे ही, देशभक्ति और समाजसेवा की भावना भी उनमें स्वाभाविक रूप से विद्यमान थी। वकालत के दिनों में वे स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रभावित हुए और वकालत के साथ समाज सुधार के कार्यों में सक्रिय रूप से रुचि लेने लगे। उनकी समाजसेवा की भावना को देखते हुए जनता ने उन्हें सेलम की म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का अध्यक्ष चुन लिया। सेलम में पहली सहकारी बैंक की स्थापना का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। वे शब्दों के जादूगर और ज्ञान के भंडार थे तो उनका मजाकिया अंदाज भी खूब था।

बीसवीं शताब्दी के भारत के महान सपूतों की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं, उनमें राजाजी का नाम प्रथम पंक्ति में है, वे राजनीति में एक रोशनी बने और वह रोशनी अनेक मोड़ों पर नैतिकता का, राष्ट्रीयता का सन्देश देती है कि राजनीति में घाल-मेल से अलग रहकर भी जीवन जीया जा सकता है। निडरता से, शुद्धता से, स्वाभिमान से, स्वतंत्र सोच से। महान दार्शनिक राजगोपालाचारीजी का जीवन उनके आदर्शों एवं सिद्धान्तों का सजीव उदाहरण है। उन्होंने दार्शनिकता एवं आध्यात्मिकता को जैसे फलक से उतारकर धरती पर स्थापित किया था। उनकी चेतना में इतनी सृजन क्षमता थी कि वे आगे की पीढ़ियों तक अपनी धारा को चला सके। निश्चित ही वे एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे, उनकी बुद्धि चातुर्य और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, और सरदार पटेल जैसे अनेक उच्चकोटि के कांग्रेसी नेता भी उनकी प्रशंसा करते नहीं अघाते थे। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। कांग्रेस से अलग होने पर भी यह अनुभव नहीं किया गया कि वह उससे अलग हैं। वे गांधीवादी सिद्धान्तों पर जीने वाले व्यक्तियों की श्रृंखला के शिखर पुरुष थे।

वर्ष 1915 में गांधीजी दक्षिण अफ्रीका से लौटकर आए और देश के स्वतंत्रता संग्राम को गति देने में जुट गए। 1919 में गांधीजी ने रोलेट एक्ट के विरुद्ध सत्याग्रह आंदोलन प्रारंभ किया। इसी समय राजगोपालाचारी गांधीजी के संपर्क में आए और उनके राष्ट्रीय आंदोलन के विचारों से बहुत प्रभावित हुए। राजागोपालाचारी को महात्मा गांधी ने अपना 'कॉनशंस कीपर' यानी विवेक जागृत रखने वाला कहा था। राजाजी के राजनीति में आने की वजह गांधी ही बने। पहली ही मुलाकात में गांधीजी ने उन्हें मद्रास में सत्याग्रह आंदोलन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। इस दौरान वे जेल भी गए। जेल से छूटते ही वे अपनी वकालत और तमाम सुख-सुविधाओं को त्याग, पूर्ण रूप से स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित हो गए और खादी पहनने लगे। चक्रवर्ती देश की राजनीति और कांग्रेस में इतना ऊंचा कद प्राप्त कर चुके थे कि गांधीजी भी प्रत्येक कार्य में उनकी राय लेने लगे थे। गांधीजी जब जेल में होते तो उनके द्वारा संपादित पत्र यंग इंडिया का संपादन चक्रवर्ती ही करते थे। वे गांधीजी के समधी भी थे। राजाजी की पुत्री लक्ष्मी का विवाह गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी से हुआ था।

राजगोपालाचारी आजादी से पहले एवं आजादी की बाद की सरकारों में अनेक सर्वोच्च पदों पर रहे। 1946 में देश की अंतरिम सरकार बनी। उन्हें केंद्र सरकार में उद्योग मंत्री बनाया गया। 1947 में देश के पूर्ण स्वतंत्र होने पर उन्हें बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया। 1950 में वे पुनः केंद्रीय मंत्रिमंडल में ले लिए गए। इसी वर्ष सरदार पटेल की मृत्यु के पश्चात वे केंद्रीय गृहमंत्री बनाए गए। कुछ वर्षों बाद कांग्रेस की नीतियों के विरोध में उन्होंने मुख्यमंत्री पद और कांग्रेस दोनों को ही छोड़ दिया और अपनी पृथक स्वतंत्र पार्टी की स्थापना की। सन 1937 में हुए कौंसिलो के चुनावों में चक्रवर्ती के नेतृत्व में कांग्रेस ने मद्रास प्रांत में विजय प्राप्त की। उन्हें मद्रास का मुख्यमंत्री बनाया गया। 1939 में ब्रिटिश सरकार और कांग्रेस के बीच मतभेद के चलते कांग्रेस की सभी सरकारें भंग कर दी गयी थीं। चक्रवर्ती ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। इसी समय दूसरे विश्व युद्ध का आरम्भ हुआ, कांग्रेस और चक्रवर्ती के बीच पुनः ठन गयी। इस बार वह गांधीजी के भी विरोध में खड़े थे। गांधीजी का विचार था कि ब्रिटिश सरकार को इस युद्ध में मात्र नैतिक समर्थन दिया जाए, वहीं राजाजी का कहना था कि भारत को पूर्ण स्वतंत्रता देने की शर्त पर ब्रिटिश सरकार को हर प्रकार का सहयोग दिया जाए। यह मतभेद इतने बढ़ गये कि राजाजी ने कांग्रेस की कार्यकारिणी की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद 1942 में 'भारत छोड़ो' आन्दोलन प्रारम्भ हुआ, तब भी वह अन्य कांग्रेसी नेताओं के साथ गिरफ्तार होकर जेल नहीं गये। इस का अर्थ यह नहीं कि वह देश के स्वतंत्रता संग्राम या कांग्रेस से विमुख हो गये थे। राजाजी हिन्दी के प्रबल समर्थक थे। एक समय हिंदी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा देने की पैरवी करने वाले राजाजी के विचार 60 के दशक में भले ही बदल गए। फिर भी तमिलभाषी राजगोपालाचारी हिंदी को प्रतिष्ठा दिलाने के लिए आजीवन संघर्षशील रहे। सबसे पहले गैर-हिंदीभाषी राज्यों में से एक तत्कालीन मद्रास प्रांत में हिंदी की शिक्षा अनिवार्य कराने का श्रेय उन्हें जाता है। उनका मानना था कि हिंदी ही एकमात्र भाषा है, जो देश को एक सूत्र में बांध सकती है। विश्व में परमाणु हथियारों की होड़ को लेकर वे बेहद चिंतित थे और सबसे बड़ी बात जो उन्हें कचोटती थी, वह थी देश में कांग्रेस पार्टी का विकल्प न होना। राजगोपालचारी ने भारतीय जात-पात के आडंबर पर भी गहरी चोट की। कई मंदिरों में जहां दलित समुदाय का मंदिर में जाना वर्जित था, इन्होंने इस नियम का डटकर विरोध किया। इसके कारण मंदिरों में दलितों का प्रवेश संभव हो सका। 1938 में इन्होंने एग्रीकल्चर डेट रिलीफ एक्ट कानून बनाया ताकि किसानों को कर्ज से राहत मिल सके।

राजाजी ने द्विपार्टी सिद्धान्त पर बल दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता के लिए मजबूत विपक्ष का होना नितांत आवश्यक है। उनका कहना था कि बिना विपक्ष के सरकार ऐसी है मानो गधे की पीठ पर एक तरफ ही बोझ रख दिया है। मजबूत विपक्ष लोकतंत्र के भार को बराबर रखता है। राजाजी का मानना था कि किसी पार्टी में भी दो विचारधाराएं होनी चाहिए और ऐसा न होने की सूरत में पार्टी का मुखिया एक तानाशाह की भांति बर्ताव करता है। उन्होंने क्षेत्रीय पार्टियों के अस्तित्व को भी स्वीकार किये जाने की बात कही। वर्ष 1954 में भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले राजाजी को भारतरत्न से सम्मानित किया गया। जो गहराई और तीखापन उनके बुद्धि चातुर्य में था, वही उनकी लेखनी में भी था। वे तमिल और अंग्रेजी के बहुत अच्छे लेखक थे। गीता और उपनिषदों पर उनकी टीकाएं प्रसिद्ध हैं। नशाबंदी और स्वदेशी वस्तुओं विशेषकर खादी के प्रचार-प्रसार में उनका योगदान महत्वपूर्ण माना जाता है। अपनी वेशभूषा से भारतीयता के दर्शन कराने वाले इस महापुरुष का 28 दिसंबर 1972 को देहांत हो गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन पर कर संबंधी नौ आरोपों में अभियोग लगाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन पर बृहस्पतिवार को कैलिफोर्निया में कर संबंधी नौ आरोपों में अभियोग लगाया गया। डेलावेयर में 2018 में बंदूक की अवैध खरीदारी के अलावा हंटर पर गुंडागर्दी के तीन और दुराचार के छह नए आरोप लगाए गए हैं। अमेरिका में मादक पदार्थ का सेवन करने वाला शख्स अपने पास बंदूक या कोई अन्य हथियार नहीं रख सकता है, लेकिन आरोपों के अनुसार, हंटर ने ऐसा कर अमेरिकी कानून का उल्लंघन किया था। विशेष वकील डेविड वीस ने एक बयान में कहा, हंटर बाइडन ने अपने कर बिलों का भुगतान करने के बजाय अपनी विलासितापूर्ण जीवनशैली पर लाखों डॉलर खर्च किए।

बयान के मुताबिक, हंटर बाइडन पर लगाया गया यह आरोप 2016 से 2019 के बीच कम से कम 14 लाख अमेरिकी डॉलर के बकाए कर पर केंद्रित हैं। इस अवधि में उन्होंने नशे की लत से जूझने की बात भी स्वीकार की है। वीस ने कहा कि दोषी पाए जाने पर हंटर बाइडन को 17 साल तक की जेल हो सकती है। उन्होंने कहा कि विशेष जांच जारी रहेगी। बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने वीस पर मामले में रिपब्लिकन पार्टी के दबाव के आगे झुकने का आरोप लगाया। लोवेल ने एक बयान में कहा, तथ्यों और कानून के आधार पर, अगर हंटर का उपनाम बाइडन के अलावा कुछ और होता, तो उनपर डेलावेयर और अब कैलिफोर्निया में आरोप नहीं लगाए जाते। व्हाइट हाउस ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अभियोजक लियो वीस ने कहा कि कैलिफोर्निया की अदालत में दाखिल दस्तावेजो में हंटर के खर्च का ब्यौरा है। इन दस्तावेजों के अनुसार, हंटर ने मादक पदार्थों, आलीशान होटलों, महंगी कारों और अपनी महिला मित्रों पर भारी भरकम राशि खर्च की लेकिन उन्होंने करों का भुगतान नहीं किया। अमेरिकी संसद में रिपब्लिकन सांसद राष्ट्रपति के खिलाफ जांच और महाभियोग चलाने की मांग कर रहे हैं। उनका दावा है कि बाइडेन ने अपने बेटे के साथ मिल कर एक बड़ी योजना के धन में हेराफेरी की है। कहा जा रहा है कि जांच को मंजूरी देने के लिए अगले सप्ताह सदन में मतदान हो सकता है।

फलस्तीनी नागरिक दक्षिणी गाजा में युद्ध के नए दौर से बचने की कोशिश कर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राफा (गाजा पट्टी)। सड़के बुरी तरह तबाह हो चुकी हैं, जिसकी वजह से शवों और घायलों को अस्पताल लाने के लिए खच्चर गाड़ियों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। हताश परिजन खून में लथपथ शवों और घायलों को लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस में फलस्तीनी चिकित्सक नसीम हसन (48) ने कहा कि हर जगह फैले मरीजों के कारण नासिर अस्पताल से गुजरना असंभव हो गया है। उन्होंने कहा कि जब वह अस्पताल के हॉल से गुजरे तो भयग्रस्त मरीज उनकी बांह पकड़कर खींचने लगे। हसन ने कहा कि वे खून से सने फर्श पर कराहते रहे, सोये और मर गए।

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने कहा, 350 बिस्तरों वाले अस्पताल में उनके मुख्य कर्मचारियों को 1,000 से अधिक रोगियों की आमद से निपटने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। हसन ने कहा जब मैं एक पल के लिए इसके बारे में सोचता हूं, तो मेरी आंखें नम हो जाती हैं।

संयुक्त राष्ट्र मॉनिटर्स ने कहा कि अस्पताल को 29 नवंबर के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहली खेप मिली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने लगभग 4,500 रोगियों के लिए क्षेत्र में राहत सामग्री आपूर्ति पहुंचाई। हाल के दिनों में, इजराइली टैंक दक्षिणी गाजा में घुस गए हैं, जिसकी शुरुआत खान यूनिस से हुई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, यह युद्ध के एक नये दौर की शुरूआत है। मंत्रालय के अनुसार युद्ध में पहले ही 17,000 फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। वहीं संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 19 लाख लोगों को इससे विस्थापित होना पड़ा।

प्रजा दरबार

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद के ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में प्रजा दरबार की शुरुआत की।

टाइम्स स्क्वायर पर भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने गरबा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित 'टाइम्स स्क्वायर' उस वक्त 'गरबा' की धुन और संगीत से गूंज उठा, जब भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोगों ने इसे (गरबा को) संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने के बाद यहां पारंपरिक गुजराती नृत्य किया। बृहस्पतिवार देर शाम कड़ाके की ठंड के बीच न्यू जर्सी सहित न्यूयॉर्क त्रि-राज्य क्षेत्र के प्रवासी सदस्य बड़ी संख्या में टाइम्स स्क्वायर में गरबा के लिए एकत्र हुए।

इस सप्ताह की शुरुआत में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर-सरकारी समिति ने बोत्सवाना के कसाने में अपने 18वें सत्र के दौरान 'गुजरात के गरबा' को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। यहां महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक गरबा परिधान पहने नृत्य किया, जिसे देखने और इसे कैमरे में कैद करने के लिए दुनिया भर के पर्यटक वहां रुक गए। इस दौरान कुछ दर्शक गरबा और 'ढोल' के धुन पर कदम ताल करते हुए नजर आए। टाइम्स स्क्वायर उत्सव में समुदाय को संबोधित करते हुए, न्यूयॉर्क में भारत के कार्यवाहक महावाणिज्यदूत डॉ. वरुण जेफ ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि हम गुजरात के गरबा का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरबा को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए) के अध्यक्ष अंकुर वैद्य ने इस अवसर को 'ऐतिहासिक' बताया और कहा कि भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों को गरबा कला का शौक है। उन्होंने कहा, हम (इस) प्राचीन कला को मान्यता देने के लिए यूनेस्को के बेहद आभारी हैं।

धर्मेंद्र ने फैन्स के साथ मनाया 88वां जन्मदिन

मुंबई/एजेन्सी

अनुभवी बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र, जिन्हें हाल ही में 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में देखा गया था, ने शुक्रवार को मुंबई के जुहू इलाके में अपने घर पर 88वां जन्मदिन मनाया। अभिनेता ने इस खास दिन को अपने फैंस के साथ मनाया और उनके बड़े बेटे सनी देओल ने भी पैपराजी के लिए उनके साथ पोज दिया।

एक्टर ने एक बड़ा केक काटा। केक में अभिनेता की तस्वीरें थीं। धर्मेंद्र की छोटी बेटी अहाना देओल ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने पिता के साथ एक तस्वीर शेयर की और लिखा, ''मेरे पहले प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं जिन लोगों को जानती हूं उनमें सबसे मजबूत और सबसे प्यारा शख्स हैं।''

ईशा देओल ने पोस्ट किया, ''जन्मदिन मुबारक हो मेरे प्यारे पापा, मैं आपसे प्यार करती हूं... मैं प्रार्थना करती हूं कि आप हमेशा खुश, स्वस्थ और मजबूत रहें। मैं बस आपसे प्यार करती हूं।'' इस साल देओल परिवार ने बॉक्स-ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है, पहले धर्मेंद्र की 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' बॉक्स-ऑफिस पर बड़ी हिट रही, उसके बाद सनी देओल-स्टारर 'गदर 2' ने बॉक्स-ऑफिस पर ऐतिहासिक सफलता दर्ज की। सनी के छोटे बेटे राजवीर देओल ने 'दोनों' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। और अब, रणबीर कपूर-स्टारर 'एनिमल' में अपनी छोटी लेकिन प्रभावशाली भूमिका के लिए बॉबी देओल को काफी सराहना मिल रही है।

मैं कानून और संविधान का सेवक हूं : चंद्रचूड़

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत । प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को कहा कि एक न्यायाधीश के रूप में वह कानून और संविधान के 'सेवक' हैं। जब प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ आज की कार्यवाही के लिए बैठी तो अधिवक्ता मैथ्यूज जे. नेदुम्पारा ने अदालत के समक्ष एक मामले का उल्लेख किया। वकील ने पीठ के समक्ष कॉलेजियम प्रणाली में सुधारों की जरूरत और वरिष्ठ अधिवक्ता पद समाप्त किये जाने की जरूरत का उल्लेख किया। पीठ में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल रहे।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, आपको अपने दिल की बात सुनने की आजादी है। प्रधान न्यायाधीश के रूप में, बल्कि इससे भी अधिक महत्वपूर्ण, एक न्यायाधीश के रूप में मैं कानून और संविधान का सेवक हूं। उन्होंने कहा, मुझे जो जिम्मेदारी दी गई है, मुझे उसका पालन करना होगा। मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे यह पसंद है और मैं यह करुंगा। शीर्ष अदालत ने इस साल अक्टूबर में वरिष्ठ अधिवक्ता के पद को चुनौती देने वाली एक याचिका खारिज कर दी थी।

प्रदर्शन

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान कैश फॉर क्वेरी के आरोप में लोकसभा से निकाले जाने के बाद टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा गांधी प्रतिमा के सामने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और अन्य के साथ।

फिल्म 'फाइटर' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रौशन की आने वाली फिल्म फाइटर का टीजर रिलीज हो गया है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म फाइटर में ऋतिक रौशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की मुख्य भूमिका है।फाइटर का टीजर रिलीज हो गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर ऋतिक रौशन ने फाइटर का टीजर शेयर करते हुए लिखा, हर उड़ान वतन के नाम। टीजर के आखिर में ऋतिक रौशन, प्लेन से उतरते भी दिख रहे हैं और उनके साथ में एक तिरंगा है। फिल्म फाइटर में ऋतिक रौशन स्क्वॉडरन पायलट 'शमशेर पठानिया' उर्फ 'पैटी' के रूप में वहीं अनिल कपूर ग्रुप कैप्टन राकेश जय सिंह उर्फ रॉकी के रोल में होंगे।फिल्म 'फाइटर' गणतंत्र दिवस के मौके पर 25 जनवरी, 2024 को रिलीज होगी।

प्रस्तुति

उत्तराखंड के देहरादून में 'उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023' के उद्घाटन पर प्रस्तुति देते कलाकार।

कैंसर से जूझ रहे अभिनेता जूनियर महमूद का निधन

मुंबई/भाषा

'कारवां', 'हाथी मेरे साथी' और 'मेरा नाम जोकर' जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से मशहूर हुए चरित्र अभिनेता जूनियर महमूद का कैंसर के कारण शुक्रवार को निधन हो गया। वह 68 वर्ष के थे। जूनियर महमूद के छोटे बेटे हसनैन सैय्यद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरे पिता पेट के कैंसर से जूझ रहे थे और उनका बृहस्पतिवार-शुक्रवार की दरमियानी रात दो बजे निधन हो गया। उनकी हालत पिछले 17 दिन से गंभीर बनी हुई थी। उनका एक महीने में 35 से 40 किलोग्राम वजन कम हो गया था।'' जूनियर महमूद का असली नाम नईम सैय्यद था। उन्होंने एक बाल कलाकार के रूप में 'मोहब्बत जिंदगी है' (1966) और 'नौनिहाल' (1967) से फिल्मी कॅरियर की शुरुआत की थी। दिवंगत हास्य कलाकार महमूद ने 1968 में रिलीज हुई फिल्म 'सुहाग रात' में उनके साथ काम किया था और इसी दौरान उन्होंने सैय्यद को जूनियर महमूद नाम दिया था।

अभिनेता के करीबी मित्र सलाम काजी ने बताया कि जूनियर महमूद के पेट में दर्द था और एक स्थानीय चिकित्सक उनका उपचार कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जब उनका वजन कम होने लगा तो उनके परिवार ने उन्हें टाटा मेमोरियल अस्पताल ले जाने का फैसला किया। काजी ने कहा, ''उन्होंने उनकी जांच की और वहां चिकित्सकों ने बताया कि उनके फेफड़े एवं यकृत में कैंसर है और उनके पेट में एक ट्यूमर है। उन्हें पीलिया भी था।'' फिल्म निर्देशक संजय गुप्ता उन फिल्मी हस्तियों में शामिल रहे, जिन्होंने जूनियर महमूद को सोशल मीडिया के जरिए सबसे पहले श्रद्धांजलि दी।

गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आप पूरी तरह से फिल्मों से जुड़े मेरे बचपन का एक अभिन्न हिस्सा थे। जूनियर महमूद, ईश्वर आपकी आत्मा को शांति दे। इतने वर्षों तक मनोरंजन करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'' 'ट्रेड यूनियन सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन' ने भी अभिनेता के निधन पर शोक व्यक्त किया।

जूनियर महमूद 1966 से इसके सदस्य थे। जूनियर महमूद ने अभिनेताओं जितेंद्र और सचिन पिलगांवकर से मिलने की इच्छा व्यक्त की थी, जिसके बाद दोनों ने मंगलवार को उनके आवास पर उनसे मुलाकात की थी।

जितेंद्र ने 'सुहाग रात' और 'कारवां' सहित कई फिल्मों में जूनियर महमूद के साथ काम किया था। महमूद ने सात भाषाओं में 260 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने 'ब्रह्मचारी', 'कटी पतंग', 'हरे रामा हरे कृष्णा', 'गीत गाता चल', 'ईमानदार', 'बाप नंबरी बेटा दस नंबरी', 'आज का अर्जुन', 'गुरुदेव', 'छोटे सरकार' और 'जुदाई' जैसी कई अन्य लोकप्रिय फिल्मों में काम किया। जूनियर महमूद ने 1965 में रिलीज हुई फिल्म 'गुमनाम' में महमूद के मशहूर गीत 'हम काले हैं तो क्या हुआ' पर 1968 में शम्मी कपूर अभिनीत फिल्म 'ब्रह्मचारी' में नृत्य करके वाहवाही बटोरी थी। उन्होंने अपने आदर्श महमूद के अंदाज की नकल करते हुए इस गीत पर न केवल नृत्य किया था, बल्कि उन्हीं की तरह धारीदार टी-शर्ट और लुंगी पहन कर अपने चेहरे पर काला रंग भी लगाया था। अभिनेता ने 'प्यार का दर्द है मीठा मीठा प्यारा प्यारा' और 'एक रिश्ता साझेदारी का' जैसे टीवी धारावाहिकों में भी अभिनय किया था। काजी ने कहा कि अभिनेता का अंतिम संस्कार सांताक्रूज कब्रिस्तान में किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''उन्हें उसी कब्रिस्तान में दफन किया जाएगा जहां उनकी मां को दफनाया गया था। दिलीप कुमार साहब और मोहम्मद रफी जैसी अन्य प्रसिद्ध हस्तियों को भी वहीं दफनाया गया।'' जूनियर महमूद के परिवार में उनके दो बेटे और पत्नी हैं।

फिल्म 'इत्ती सी खुशी' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

राजघराना फिल्म्स प्रा.लि. के बैनर तले बनी फ़िल्म 'इत्ती सी खुशी' फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। फिल्म इत्ती सी खुशी में अवधेश मिश्रा की मुख्य भूमिका है। फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है।इसमें रएक पेड़ दिखाई दे रहा है, जिसकी छांव तले जमीन पर अवधेश मिश्रा सुकून की आहें भरते नज़र आ रहे हैं।फ़िल्म 'इत्ती सी खुशी' सम्पूर्ण पारिवारिक और सामाजिक फिल्म है, जिसके निर्माता आदित्य कुमार झा और निर्देशक नीरज रणधीर हैं। उन्होंने बताया कि फ़िल्म का ट्रेलर बेहद जल्द रिलीज होगा।यह फिल्म दर्शकों को हेल्दी इंटरटेंमेंट देने वाली है। फिल्म में सभी कलाकारों ने पूरी जी जान लगा कर मेहनत की है और हमने फिल्म को गोरखपुर की पावन धरती पर शूट किया है।

अवधेश मिश्रा ने कहा कि भागदौड़ वाली इस जिन्दगी में ख़ुशी के पल के लिए लोग तरस जाते हैं। कामकाजी के साथ साथ खाली बैठने वाले लोगों भी ख़ुशी से महरूम हैं। ऐसे में हमारी फिल्म दर्शकों के बीच खुशियों के साथ एक बेहतरीन मनोरंजन देगी। इस फिल्म में मैं बतौर अभिनेता नज़र आ रहा हूं। इससे पहले मैंने कई फिल्म निर्देशक के रूप में भी की, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। अब मेरी इच्छा है कि वे मेरी इस फ़िल्म 'इत्ती सी खुशी' को भी खूब प्यार और आशीर्वाद दें।

फ़िल्म 'इत्ती सी खुशी' में अवधेश मिश्रा के साथ गरिमा अग्रवाल, के के गोस्वामी, देव सिंह, रूपा मिश्रा. मनीष आनंद, राज मोर्या, धनी गुप्ता, खुशबू यादव और अंजलि कुमारी मुख्य भूमिका में हैं।लेखक प्रवीण चंद्रा, कला सिकंदर विश्वकर्मा और कॉस्ट्यूम बादशाह खान का है। गीतकार ब्रज किशोर दुबे, म्यूजिक छोटे बाबा और कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। एडिटर संतोष हड़ावडे, डी आई रोहित सिंह और ई पी कुणाल ठाकुर हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तुमकूर स्थित आगम मंदिर में साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि प्रणाम में बड़ी ताकत होती है। पहले लोग सुबह सुबह उठ कर घर के बड़े-बुजुर्गों को झुक कर प्रणाम करते थे, उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करते थे, आजकल यह प्रथा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है और हम बुजुर्गों के आशीर्वादों से वंचित रह जाते है।

सी बी भंडारी कॉलेज ने अंतर्राकॉलेजीय स्पर्धा का किया आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के के आर रोड स्थित सीबी भंडारी पीयू जैन कॉलेज में अंतर्राकॉलेजीय फेस्ट 'कॉन्फ्लूंश 2023' का आयोजन किया गया जिसमें कोरियोग्राफर सुकुमार व भरतनाटयम नृत्यांगना मिलन बी वी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। स्कूल के अध्यक्ष चम्पालाल भंडारी, उपाध्यक्ष हेमराज मन्नू, प्राचार्य डॉ आशा गणेश आदि ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अंतर्राकालेजीय उत्सव में करीब 20 कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्सव से भाग लिया। विद्यामंदिर इंडिपेन्डेट पीयू कॉलेज ने रोलिंग ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। कॉलेज की ओर से सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया।

'बड़ों का आशीर्वाद हमारे लिए सुरक्षा कवच है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुमकूर स्थित आगम मंदिर में साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि प्रणाम में बड़ी ताकत होती है। पहले लोग सुबह सुबह उठ कर घर के बड़े-बुजुर्गों को झुक कर प्रणाम करते थे, उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करते थे, आजकल यह प्रथा धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है और हम बुजुर्गों के आशीर्वादों से वंचित रह जाते है। वर्तमान में हमारे घरों में जो इतनी समस्याएं हैं उनका मूल कारण यही है कि हम घर के बड़े-बुजुर्गों का आदर नहीं करते और जाने-अनजाने अक्सर घर के बड़ों की उपेक्षा हो जाती है। यदि घर के बच्चे और बहुएं प्रतिदिन घर के सभी बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लें तो शायद किसी भी घर-परिवार में कभी कोई क्लेश ही न हो। दरअसल बड़ों के दिए हुए आशीर्वाद हमारे लिए कवच की तरह काम करते हैं और उनको दुनिया का कोई भी अस्त्र-शस्त्र नहीं भेद सकता।

सभी इस प्रणाम संस्कृति को सुनिश्चित कर नियमबद्ध करें तो घर ही स्वर्ग बन जाय क्योंकि प्रणाम प्रेम है, अनुशासन है, शीतलता है, प्रणाम आदर सिखाता है, इससे सुविचार आते हैं, यह झुकना सिखाता है , क्रोध और अहंकार मिटाता है, प्रणाम हमारे आसुंओं को धो देता है और प्रणाम ही हमारी संस्कृति है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि साध्वीश्री भव्यगुणाश्री के जन्मदिन पर भक्तों ने आकर बधाइया अर्पित की और स्वस्थ जीवन की मंगल कामना की। वसंतराज भंसाली, इंद्राबाई, किरण भंसाली ने विहार सेवा का लाभ लिया।

'झूठी प्रशंसा हमारी उन्नति के लिए एक बाधक तत्त्व'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि मान संज्ञा को पुष्ट करने के लिए हम धर्म में भी पाप कर बैठते हैं। प्रशंसा कर्णप्रिय होती है और बहुत आकर्षक होती है। प्रशंसा सुनना एक नशा है जो हमें बेहोश कर देता है। झूठी प्रशंसा हमारी उन्नति का एक बाधक तत्त्व है। हमारे चाटुकार हमें बर्बाद करके ही छोड़ते हैं। मान सम्मान की चाह एक परिषह है। प्रतिकूलता में जो शांत रहे वह साधक है। प्रशंसा की भूख ने इन्सान को इर्ष्यालु , गृहकलेशी, समाज कलेशी, महत्वकांक्षी बनाया है। इस दौरान मनुष्य को सही बोध मिले तो उसका जीवन-गर्त, दुर्गति, दुर्बुद्धि में जाने से बचा जाता है।

मोइत्रा के प्रकरण से दुनिया भर में भारतीय सांसदों की छवि धूमिल हुई : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'रिश्वत लेकर सवाल पूछने' के आरोप से जुड़े प्रकरण के चलते पूरी दुनिया में भारतीय सांसदों की छवि धूमिल हुई है। मोइत्रा के मामले से संबंधित आचार समिति की रिपोर्ट पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद हिना गावित ने कहा कि मोइत्रा ने नियम तोड़ा है तथा कानून से ऊपर कोई नहीं है। गावित ने कहा कि बहुत दुख हो रहा है कि ऐसे विषय पर चर्चा करनी पड़ रही है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2005 में इसी तरह के एक प्रकरण में कांग्रेस की सरकार के समय जिस दिन रिपोर्ट आई थी, उसी दिन 10 सांसदों को सदन से बाहर निकाला गया था और उन्हें भी अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया था। दरअसल, विपक्षी दलों ने सवाल किया था कि मोइत्रा के मामले में शुक्रवार को ही दोपहर 12 बजे आचार समिति की रिपोर्ट सदन में पेश की गई और उसी दिन उस पर चर्चा क्यों हो रही है? उन्होंने इस मामले में प्रभावित सांसद मोइत्रा को उनका पक्ष रखने का भी अनुरोध किया था जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पुरानी परिपाटी का हवाला देते हुए स्वीकार नहीं किया था।

गावित का कहना था, ''इससे पहले 13 सांसदों को सदन से निष्कासित किया गया था। महुआ मोइत्रा और पिछले मामले में फर्क है। इस मामले में कंपनी अस्तित्व में है, दर्शन हीरानंदानी का नाम है। हीरानंदानी का पांच प्रमुख क्षेत्रों में व्यवसाय है।'' उन्होंने दावा किया कि मोइत्रा ने वर्ष 2019 से अब तक सदन में कुल 61 सवाल बतौर सांसद पूछे हैं, जिनमें से 50 सवाल उन्हीं क्षेत्रों से संबंधित थे जिनमें हीरानंदानी का हित है। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि मोइत्रा द्वारा हीरानंदानी से संबंधित सवाल पूछे गए हैं। हिना गावित का कहना था, ''मोइत्रा की आईडी 47 बार दुबई से लॉग इन हुई। छह बार अन्य देशों से इसे लॉग इन किया गया।''

उनके अनुसार, तृणमूल कांग्रेस सांसद ने समिति के सामने स्वीकार किया था कि उन्होंने अपना लॉगिन आईडी और पासवर्ड हीरानंदानी और उनकी कंपनी को दिया था तथा हीरानंदानी ने खुद हलफनामा देकर इस बात की पुष्टि की है।

गावित ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा, ''बार-बार नैसर्गिक न्याय के बुनियादी सिद्धांत की बात हो रही है। सांसद पोर्टल पर लॉग इन के बारे में फार्म भरते हैं। सभी उस पर हस्ताक्षर करते हैं कि लॉग इन आईडी और पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं करेंगे। आप खुद नियम तोड़ रही हैं।

भगवान महावीर दीक्षा कल्याणक दिवस पर किया गया सामूहिक जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा गुरुवार को भगवान महावीर का दीक्षा कल्याणक दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर लगभग 21 महिला सदस्याओं ने विभिन्न तप एकासन, उपवास एवं आयंबिल तप किए एवं ॐ श्री वर्धमानाय नमः मंत्र की माला का जाप भी किया। भवन में उपस्थित होकर 30 व अपने अपने घर पर 55 महिला सदस्याओं ने जाप किया। सामूहिक जाप आराधना में मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

देवी आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के गौरीपाल्या स्थित दोडम्मा देवी देवस्थान में आयोजित कार्यक्रम में महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना की। उन्होंने कहा कि अहिंसा, प्रेम, सेवा, परोपकार धर्म का असली स्वरूप है। मुणोत ने जरुरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। देवस्थान के पदाधिकारी प्रकाश एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

उपोष्णकटिबंधीय उत्तर अटलांटिक महासागर की सतह का तापमान गर्म हुआ : अनुसंधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उपोष्णकटिबंधीय उत्तर अटलांटिक महासागर की सतह का तापमान लगभग एक डिग्री सेल्सियस गर्म हो गया है। इसका पता पिछले 40 वर्षों से क्षेत्र की निगरानी कर रहे वैज्ञानिकों ने लगाया है। इसके अलावा, अमेरिका में एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने यह भी पाया है कि महासागर अधिक अम्लीय और खारा बन गया है और ऑक्सीजन कम हुई है। बरमूडा अटलांटिक टाइम-सीरीज स्टडी (बीएटीएस) 1988 में बरमूडा द्वीप से लगभग 80 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में एक स्थल पर शुरू हुई थी।

'फ्रंटियर्स इन मरीन साइंस' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार यह पाया गया कि विशेष रूप से पिछले चार वर्षों में, महासागर की सतह का तापमान भी अधिक तेजी से बढ़ा है, जबकि 1980 के दशक के बाद से प्रत्येक दशक में यह लगभग 0.24 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है।

एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी में बरमूडा इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन साइंसेज के महासागर अनुसंधानकर्ता निकोलस बेट्स ने कहा, हमें संदेह है कि यह समुद्र के तापमान और पर्यावरणीय परिवर्तनों में व्यापक, हालिया रुझानों और बदलावों का हिस्सा है, जैसे कि वायुमंडलीय तापमान बढ़ना और वैश्विक स्तर पर सबसे गर्म वर्ष होना। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि 1980 के दशक की तुलना में महासागर अब 30 प्रतिशत अधिक अम्लीय है, जिसके परिणामस्वरूप कम कार्बन आयन सांद्रता है। अनुसंधानकर्ता ने कहा कि यह अन्य बातों के अलावा, खोल वाले जीवों की अपने खोल बनाये रखने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। उनके आंकड़ों ने यह भी सुझाया कि इन 40 वर्षों में, जलीय जीवन के लिए उपलब्ध ऑक्सीजन में छह प्रतिशत की कमी आई है।

गोयल व वैष्णव ने प्रश्नों की आड़ में गलत आरोप लगाने वाले सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ से शिकायत की कि विपक्ष के कुछ सदस्य प्रश्नों की आड़ में सरकार पर निराधार आरोप लगाते हैं और मामले को सनसनीखेज बनाने का प्रयास करते हैं। उन्होंने इस संबंध में आसन से व्यवस्था देने और ऐसे सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया। प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों-तृणमूल कांग्रेस के साकेत गोखले और माकपा के जॉन ब्रिटास द्वारा पूछे गए सवालों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोयल और वैष्णव ने आरोप लगाया कि उन्होंने सरकार पर गलत आरोप लगाए हैं।

गोखले ने सवाल किया था कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत आपूर्ति की जाने वाली दाल और अन्य अनाज को कई राज्यों द्वारा अस्वीकार किया जा रहा है, जिसकी क्या वजहें हैं? ब्रिटास ने रेल मंत्री से वरिष्ठ नागरिकों को किराए में छूट और प्रीमियम तत्काल योजना को लेकर टिप्पणी की थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि स्लीपर और जनरल डिब्बों को एसी डिब्बों से बदल दिया गया है। इसके जवाब में वैष्णव ने कहा कि ब्रिटास ने कोई सवाल नहीं पूछा बल्कि कुछ टिप्पणियां की हैं, जो बहुत भ्रामक हैं और वह उनके द्वारा उठाए गए बिंदुओं का खंडन करते हैं।

इसके बाद गोयल ने कहा, एक दिन में यह दूसरी घटना है कि विपक्ष के सदस्य ने गलत आरोप लगाए। पहले दाल का मामला था और अब यह है... मैं इस पर व्यवस्था चाहता हूं कि जो सदस्य झूठे आरोप लगाते हैं या किसी ऐसी बात पर ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी मुद्दे को सनसनीखेज बनाते हैं जो तथ्यात्मक नहीं है..। यदि ऐसा पाया जाता है तो ऐसे सदस्य के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी? वैष्णव ने कहा, यह काफी महत्वपूर्ण मामला है। यदि कोई माननीय सदस्य प्रश्न पूछने की आड़ में ऐसे आरोप लगा रहे हैं जो निराधार हैं, बिल्कुल गलत हैं तो क्या व्यवहार किया जाना चाहिए, ऐसे माननीय सदस्य को क्या सज़ा मिलनी चाहिए?'' इस पर सभापति धनखड़ ने आश्वासन दिया कि वह इस मामले पर गौर करेंगे।

इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवाल पूछते हुए गोखले ने कहा कि कई राज्यों ने, खासकर कोविड-19 के दौरान और उसके बाद भी, पीएमजीकेएवाई के तहत आपूर्ति की गई दाल और अन्य अनाजों को अस्वीकार कर दिया है। गोखले ने सवाल किया कि इस योजना के तहत आने वाले खाद्यान्न को राज्यों द्वारा अस्वीकार किए जाने के क्या कारण थे और यह सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं कि इस योजना के तहत विभिन्न राज्यों को उच्च गुणवत्ता वाले खाद्यान्न की आपूर्ति हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वागत

आचार्य श्री महाश्रमण की प्रबुद्ध शिष्या साध्वी अणिमाश्री सहयोगी साध्वियों के साथ लोकसभा में म्यूजियम का अवलोकन करते हुए । सांसद श्री लहरसिंह सिरोया ने साध्वीश्री का स्वागत करते हुए लोकसभा के म्यूजियम में भारत के संविधान, भगवान महावीर, नमस्कार महामंत्र आदि अनेक नयनाभिराम दृश्यों के बारे में जानकारी दी।

भूख हड़ताल

नई दिल्ली में ईपीएस-95 राष्ट्रीय आंदोलन समिति के सदस्य शुक्रवार को जंतर-मंतर पर अपनी मांग के समर्थन में श्रृंखलाबद्ध भूख हड़ताल करते हुए।

'शब्द' साहित्यिक संस्था, बेंगलूरु
वार्षिकोत्सव सह सम्मान अर्पण समारोह
कल
रविवार 10 दिसंबर 2023
समय - दोपहर 2 बजे से
(कार्यक्रम उपरांत रात्रिभोज)
अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान (सौजन्य : बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन)
मूर्धन्य कथाकार श्री हृषीकेश सुलभ
दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान (सौजन्य :दक्षिण भारत राष्ट्रमत)
मूर्धन्य हिन्दी सेवी सुश्री बी. एस. शांता बाई
'पथ के गीत' पुस्तक लोकार्पण, कवि : आनंद मोहन झा
मुख्य अतिथि - प्रख्यात कन्नड़ साहित्यकार श्री एच.एस शिवप्रकाश आप सभी साहित्यप्रेमी सादर आमंत्रित हैं
स्थल : तिरुमला विद्यानिकेतन सभागार,
चौड़य्या मेमोरियल हॉल के पीछे, वयालीकावल, बेंगलूरु

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com